ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

बडाबे की होली!!

होली न 0	होली गीत	पेज न 0
होली न 0 01	शिव दरशन दे शिव दरशन दे हो जटाधारी	4
होली न 0 02	घनश्याम मुरत का भजन करो	4
होली न 0 03	तुम तो भई तपवान कालिका कलयुग मे अवतार भई	5
होली न 0 04	हमें उतारो पार मलहा हमसे उतराई ले लिजो	6
होली न 0 05	कठिन तपस्या किन्ही भगीरथ भगीरथ गंगा ले आये	7
होली न 0 06	होली खेलें पशुपति नाथ मिलकर बागा में	8
होली न 0 07	दरसन दे महामाय अम्बा धन तेरो	9
होली न 0 08	जैसे जल बिन मछली तडप तडप प्यारे मै ना जियुं रद्युनाथ बिना	10
होली न 0 09	तुम भक्तन के हितकारी हरि	11
होली न 0 10	कूरूक्षेत्र कौरव पाण्डव को	12
होली न 0 11	कुण्डलपुर के राजा भिष्मक नाम कहाय	13
होली न 0 12	राजा बलि छलने राजा बलि छलने को	13
होली न 0 13	घर लौटी चलो रघुनाथ अयोध्या सोने की	14
होली न 0 14	तल धरती पुर बादल बादल उपजो बयार	15
होली न 0 15	ऐसी पति विरत नारि सुलोचना सति भई बालम संग में	16
होली न 0 16	मेरी पडि गै भॅवर बिच नाव गंगा सागर में	18
होली न 0 17	गई गई असुर तेरी नारी मन्दोदरी सिया मिलन गई बागा में	18
होली न 0 18	शिव मन मे रमा रम रम ही गयो	19
होली न 0 19	भजु दशरथ नन्दन जनक ललि	19
होली न 0 20	घर लौटी चलो भगवान भरत मेरी प्रजा को दुख मत दिजो	20
होली न 0 21	हर हरिया पंख मुख लाल सुवा बोलिया जन बोले बागा में	22
होली न 0 22	उठ भारत हो उठ भारत राम मिलन आये उठ भारत हो	23
होली न 0 23	सत्य धरम मत छोडो लला भव सागर से तर जाओगे	24
होली न 0 24	जय बोलो यशोदा नन्दन की	25
होली न 0 25	बचो बचो भरत के लोग कलयुग	25
होली न 0 26	सुमिरो सिता राम भया कोई हीरा जनम नहीं पाओगे	26
होली न 0 27	दधि लुटे नन्द को लाल बेचन ना जहियो	27
होली न 0 28	परण भयो राजा राम जनकपुर परण भयो	28
होली न 0 29	यौवना पडी गयो लूट न्याय नहीं मथुरा नगरी	29
होली न 0 30	गोरी प्यारो लगै तेरो झनकारो	30
होली न 0 31	उमिदा यौवन कंया न माने भर गई नदियॉ सावन की	31

बडाबे की होली

होली न 0 32	अछे हां रे जेठानी मेरो मन पिया मां बैठो है	32
होली न 0 33	रंग में होली कैसे खेलूँ री मै सांवरिया के संग	32
होली न 0 34	रामी चन्द्र लंका से आये भरत उज्जवल मन से	33
होली न 0 35	भलो भलो जनम लियो श्याम राधिका भलो जनम लियो मथूरा में	33
होली न 0 36	तेरो पतोलो कमर लम्ब केश सुन्दर	34
होली न 0 37	गोरी गोरी के बदन पर तिल राजै	35
होली न 0 38	पतली सुन्दर नारि तिलक भर काजल की	36
होली न 0 39	ठाडिय हेरू बाट मेरो संया निरमोहीया कब आवै	37
होली न 0 40	मै बनजरिया छोड पिया बन जा रयोछ	38
होली न 0 41	तुम क्यो ना मिलो रघुनन्दन से	39
होली न 0 42	अब ऋतु आ गै गर्मी की बैसाखै मास	40
होली न 0 43	लागो फागुन मास यो मन मानत नाहीं	40
होली न 0 44	जिंले गर्व कियो जिंले गर्व कियो सोई हारो लला	41
होली न 0 45	भर गगरी मत लाओ छयल मेरे बालम उतरे बागा में	41
होली न 0 46	मथुरा मे खेलें एक घडी	42
होली न 0 47	शिव के मन हो शिव के मन माहिं बसे काशी	42
होली न 0 48	नदि यमुना के तीर कदम्ब चडि	43
होली न 0 49	अछै हॉ रे राधे यमुना अकेली मत जइयो	44
होली न 0 50	सलुवा में झलक रहे दो नैना	44
होली न 0 51	अछै हॉ रे गोरी नैना तुम्हारे रसा भरे रंग रसा भरे	45
होली न 0 52	अछै हॉ रे सीता वन मे अकेली कैसे रही	46
होली न 0 53	करले अपनो ब्याह देवर हमोरो भरोसो जन करिये	46
होली न 0 54	उमड धुमड ठप बाजै चलो सखि देखन जाय	47
होली न 0 55	जल कैसे भरू यमुना गहरी	47
होली न 0 56	अछै हां रे बालम मस्त महिना फागुन को	48
होली न 0 57	बिरहन तेरी मुरली घनघोरा	48
होली न 0 58	ब्रज मंडल हो ब्रज मंडल देश दिखाओ रसिया	49
होली न 0 59	ठाकुर थंयया थंयया हो ठाकुर	49
होली न 0 60	तोरे चटक चाल चंचल नैना	50
होली न 0 61	तेरो पचरंग फुलयो हो गुलाब कलिया बेलागी	50
होली न 0 62	रंग महल के द्वार झुलना झुले को	51
होली न 0 63	भाई ज्वान्यु आई हो भाई ज्वान्यु आई ज्वान जमत नाहीं	51
होली न 0 64	कान्सो देवर नादान प्रेम की बात ना समझे	52
होली न 0 65	तेरो ललना बंज गयो है क्या क्या सौदा मंगायो ह	53
होली न 0 66	एक गोरी एक सॉवरो है	53
होली न 0 67	कहॉ जनम भयो राधा कहॉ जनम घनश्याम	54
होली न 0 68	सीता राम को ब्याह जनकपुर जाना है	54
होली न 0 69	रंग चंगीलो देवर घर आरौछ	55
होली न 0 70	मत बोलो सजन मै बिखर जाउगी	55

बडाबे की होली

होली न 0 71	गढ छोड दे लंका रावण छोड दे लंका रावण	56
होली न 0 72	हरी धरे मुकुट खेले होली हरी धरे मुकुट खेले होली	57
होली न 0 73	राम भजु हरी भजु राधे बला सुमिरो सिया राम	58
होली न 0 74	अछै हॉ रे गिरीधर राज लियो कंसासुर को	59
होली न 0 75	अछै हॉ जी शंकर पीके हलाहल मगन भये	60
होली न 0 76	उठ मिलो भरत रघुपति आये	60
होली न 0 77	हमें उतारो पार मल्हा हमसे उतराई ले लिजो	61
होली न 0 78	सखी सब घर आये बलमा है कहॉ	61
होली न 0 79	मत पकडो हो मत पकडो चीर असूर मेरो मत पकडो हो	62
होली न 0 80	एक मोती दो हार हीरा चमकी रयो	63
होली न 0 81	झुकि आयो शहर से ब्यौपारी झुकि आयो शहर से ब्यौपारी	63
होली न 0 82	अछे हां रें चुनि रंग लागै को	63
होली न 0 83	मत जाओ पिया होली आय रही	64

जितने मौके हंसने मुस्कुराने के इस होली के पावन त्यौहार में मिलते हैं सायद ही दुनिया में ऐसा और त्यौहार हो !! आओ संग खेलें होली !!

प्रस्तुत है बडाबे पिथौरागढ की खडी होली !!

संग्रहकर्ता . बिपिन चन्द्र जोशी
निवासी बडाबे जिला पिथौरागढ उत्तराखण्ड .262530
मोबाइल +91-9899315859
www.facebook.com/bipinchandrajoshipage

बडाबे की होली

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 01

शिव दरशन दे शिव दरशन दे हो जटाधारी शिव दरशन दे।।
मन परसन हो शिव परसन हो हो जटाधारी मन परसन हो।।

पुरब दिशा से चातुर आये ।दो बोल।।
नंगर निशाना संग लाये शिव दरशन 0
पश्चिम दिशा से चातुर आये ।।दो बोल।।
अक्षत चंदन संग लाये शिव दरशन दे 0
उत्तर दिशा से चातुर आये ।।दो बोल।।
अबीर गुलाला संग लाये शिव दरशन दे 0
दक्षिण दिशा से चातुर आये ।।दो बोल।।
ढोल नगाडा संग लाये शिव दरशन दे 0
मन परसन दे शिव परसन दे हो जटाधारी मन परसन दे।।

होली न0 02

घनश्याम मुरत का भजन करो ।।दो बोल।।
भजन करो भव सिन्धु तरो घनश्याम मुरत का भजन करो।।

रावण के दस मस्तक छेदे ।।दो बोल।।
रामी चन्द्र रूप धराये से घनश्याम मुरत 0
पैठि पाताल काली नाग नाथ्यो ।।दो बोल।।
श्रीकृष्ण रूप धराये से घनश्याम मुरत 0

भक्त प्रहलाद को खम्बे से उबारा।।दो बोल।।
नरसिंह रूप धराये से घनश्याम मुरत 0
गौतम नारी अहिल्या तारि ।।दो बोल।।
रामी चन्द्र रूप धराये से घनश्याम मुरत 0

सहस्त्रबाहु की भुजा उखाडी ।।दो बोल।।
फरसा रूप धराये से घनश्याम मुरत 0
गिरी गोवर्धन नख पर धारो।।दो बोल।।
श्रीकृष्ण रूप धराये से घनश्याम मुरत 0

द्रोपदी रानी की लाज बचायी।।दो बोल।।
श्रीकृष्ण रूप धराये से घनश्याम मुरत 0
बली राजा पाताल बैठाये।।दो बोल।।
बामन रूप धराये से घनश्याम मुरत 0

बडाबे की होली

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 03

तुम तो भई तपवान कालिका कलयुग मे अवतार भई !!
हरे हरे पिपल द्वार बिराजै
लाल ध्वजा फहराय कालिका कलयुग मे अवतार भई !!तुम तो भई !!

काहे के अक्षत काही की पाती !!
काहे की भेट चडाय कालिका कलयुग मे अवतार भई !!तुम तो भई !!

साली के अक्षत बेल की पाति
नारियल भेट चडाय कालिका कलयुग मे अवतार भई !!तुम तो भई !!

काहे को दीपक काहे की बाती
काहे को धूप चडाय कालिका कलयुग मे अवतार भई !!तुम तो भई !!

ताबे को दीपक कपूर की बाती
गोकुल धूप चडाय कालिका कलयुग मे अवतार भई !!तुम तो भई !!

काहे को मन्दिर काहे को छत्तर
काहे को कलश चडाय कालिका कलयुग मे अवतार भई !!तुम तो भई !!

चॉदी को मन्दिर सोने को छत्तर
मोतियन कलश चडाय कालिका कलयुग मे अवतार भई !!तुम तो भई !!

हरे हरे पीपल द्वार बिराजै
लाल ध्वजा फहराय कालिका कलयुग मे अवतार भई !!तुम तो भई !!

कोई चढावै लडडू पेडा !!
कोई चढावै पान कालिका कलयुग मे अवतार भई !!तुम तो भई !!

ब्रहमा वेद पडे तेरे दवारे
ऋषि मुनि धरत ध्यान कालिका कलयुग मे अवतार भई !!तुम तो भई !!

चण्डमुण्ड तेरे साथ चलत है
नागीन है डसवान कालिका कलयुग मे अवतार भई !!तुम तो भई !!

खडग खप्पर हाथ मे लेकर
किन्हो रक्त को पान कालिका कलयुग मे अवतार भइ !!तुम तो भइ !!

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

कोइ चढावै लडडू पेडा !!
कोइ चढावै पान कालिका कलयुग मे अवतार भई !!तुम तो भई !!

तु जननी जग पालन कर्ता !!
सब भक्तो की तुम मात कालिका कलयुग मे अवतार भई !!तुम तो भई!!

दास नारायण आस चरण की !!
तुम मेरी मनमान कालिका कलयुग मे अवतार भई !!तुम तो भई !!

होली न0 04

हमें उतारो पार मलहा हमसे उतराई ले लिजो !!
पहले वर मोहे वन मे दिजो !!
भरत को दिजो राज मलहा हमसे उतराई ले लिजो हमे उतारो पार मलहा हमसे उतराइ ले लिजो !

राम लखन वन को चले है
धर मुनियन को भेष मलहा हमसे उतराई ले लिजो !! हमे उतारो 0 !!

आगे आगे राम चलत है
पीछे लछिमन भाई मलहा हमसे उतराई ले लिजो !! हमे उतारो 0 !!

बीच मे उनके सिया चलत है
मलमल पैर बढाय मलहा हमसे उतराइ ले लिजो !! हमे उतारो 0 !!

ना चल सीता संग हमारे !!
वन मे विपद उठाय मलहा हमसे उतराइ ले लिजो !! हमे उतारो 0 !!

काठ की नाव केवट ले आये !!
पहुचे गंगा पार मलहा हमसे उतराइ ले लिजो !! हमे उतारो 0 !!

केवट पग को धोय रहे है !!
धन्य केवट के भाग मलहा हमसे उतराइ ले लिजो !! हमे उतारो 0 !!

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 05

कठिन तपस्या किन्ही भगीरथ भगीरथ गंगा ले आये

साठ हजार सगर सूत भये है !
मन मे गर्व समाय भगीरथ भगीरथ गंगा ले आये !! कठिन तपस्या 0 !!

हरियो निषाचर यज्ञ को घोडा !
मुनि के द्वार बधाय भगीरथ भगीरथ गंगा ले आये !! कठिन तपस्या 0 !!

खोजत खोजत रसातल पहुचे !
घोडा यहॉ मिल जाय भगीरथ भगीरथ गंगा ले आये कठिन तपस्या 0

पीटन लागे तपस्वी मुनि को !
मिलकर के सब भाय भगीरथ भगीरथ गंगा ले आये कठिन तपस्या 0

टूट्यो ध्यान मुनी श्राप दियो है !
ढेरी राख बनाय भगीरथ भगीरथ गंगा ले आये कठिन तपस्या 0

जनम लियो तूम सगर कुल में !
गंगा छोडी लाय भगीरथ भगीरथ गंगा ले आये कठिन तपस्या 0

बार बार कर शिव की तपस्या !
और ब्रहम्मा की जयकार भगीरथ भगीरथ गंगा ले आये कठिन तपस्या 0

ब्रहम्म कम्ण्डल निकली गंगा !
शिव की जटा मे समाय भगीरथ भगीरथ गंगा ले आये कठिन तपस्या 0

एक बुंद जटा से निकली !
तिन्ही रूप समाय भगीरथ भगीरथ गंगा ले आये कठिन तपस्या 0

आगे आगे भगीरथ चले है !
पीछे गंगा समाय भगीरथ भगीरथ गंगा ले आये कठिन तपस्या 0

साठ हजार सगर सूत तारे !
दीने स्वर्ग पठाय भगीरथ भगीरथ गंगा ले आये कठिन तपस्या 0

भागीरथी गंगा नाम जो लेवे !
कुल तारण हो जाये भगीरथ भगीरथ गंगा ले आये कठिन तपस्या 0

बडाबे की होली संग्रहकर्ता बिपिन चन्द्र जोशी फोन 9899315859

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 06

होली खेलें पशुपति नाथ मिलकर बागा में

ब्रहमा लोक में ब्रहमा जी खेलें ।। दो बोल।।
सरस्वती खेलें साथ मिलकर बागा में होली खेलें पशुपति 0

विष्णु लोक में विष्णु जी खेलें ।। दो बोल।।
कमला खेलें साथ मिलकर बागा में होली खेलें पशुपति 0

कैलाश लोक शिवजी खेलें ।। दो बोल।।
गौरा खेलें साथ मिलकर बागा में होली खेलें पशुपति 0

अयोध्या नगर राम जी खेलें ।। दो बोल।।
सीता खेलें साथ मिलकर बागा में होली खेलें पशुपति 0

बृन्दावन में कन्हैयया खेलें ।। दो बोल।।
राधा खेलें साथ मिलकर बागा में होली खेलें पशुपति 0

परवत शिखर दुर्गा जी खेलें ।। दो बोल।।
महामाया खेलें साथ मिलकर बागा में होली खेलें पशुपति 0

थलकेदार में शिवजी खेलें ।। दो बोल।।
गौराजी खेलें साथ मिलकर बागा में होली खेलें पशुपति 0

लटेश्वर में लटुवा खेलें ।। दो बोल।।
भुमियां खेलें साथ मिलकर बागा में होली खेलें पशुपति 0

घर घर में हम सब खेलें ।। दो बोल।।
नर नारी खेलें साथ मिलकर बागा में होली खेलें पशुपति 0

बडाबे की होली

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 07

दरशन दे महामाय अम्बा धन तेरो।।
दरशन दे महामाय अम्बा धन तेरो।। ।।।खडी बोल।।।

देवी का थान में ढोलक बाजै ।।दो बोल।।
डम डम डम डम होय अम्बा धन तेरो ।।दरशन दे महामाय 0।।

देवी का थान दमुवां बाजै ।।दो बोल।।
डंग डंग डंग डंग होय अम्बा धन तेरो ।।दरशन दे महामाय 0।।

देवी का द्वार घंटा बाजै ।।दो बोल।।
घन घन घन घन होय अम्बा धन तेरो ।।दरशन दे महामाय 0।।

देवी का थान पतरिया नाचै ।।दो बोल।।
फरहर फरहर होय अम्बा धन तेरो ।।दरशन दे महामाय 0।।

देवी का द्वार में दीपक सोहै ।।दो बोल।।
जगमग जगमग होय अम्बा धन तेरो ।।दरशन दे महामाय 0।।

पिगली माटी गाय को गोबर ।।दो बोल।।
चौंका दे हो पुराय अम्बा धन तेरो ।।दरशन दे महामाय 0।।

कंचन थाल कपुर की बाती ।।दो बोल।।
आरती दे हो उतार अम्बा धन तेरो ।।दरशन दे महामाय 0।।

देवी का थान ढोलक बाजै ।।दो बोल।।
डम डम डम डम होय अम्बा धन तेरो ।।दरशन दे महामाय 0।।

फागुन मास नया ऋतु आरै ।।दो बोल।।
फुली रयो बनराय अम्बा धन तेरो ।।दरशन दे महामाय 0।।

बडाबे की होली

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 08

जैसे जल बिन मछली तडप तडप प्यारे मै ना जियुं रघुनाथ बिना !!
दशरथ राजा मांझ करन गये ।। दो बोल।।
अंगूठा लागी फांस भरत प्यारे मै ना जियुं रघुनाथ बिना जैसे जल बिन 0 !!

जो मेरी अंगुठे की पिडा हरदे।। दो बोल।।
उसको देदुं राज भरत प्यारे मै ना जियुं रघुनाथ बिना जैसे जल बिन 0 !!

दशरथ राजा की तीनो रनियॉ ।। दो बोल।।
तीनों पहरा देय भरत प्यारे मै ना जियुं रघुनाथ बिना जैसे जल बिन 0 !!

पहलो जो पहरा रानी कौशल्या ।। दो बोल।।
राजा चैन न होय भरत प्यारे मै ना जियुं रघुनाथ बिना जैसे जल बिन 0 !!

दूसोरो जो पहरा रानी सुमित्रा ।। दो बोल।।
राजा नींद न होय भरत प्यारे मै ना जियुं रघुनाथ बिना जैसे जल बिन 0 !!

तिसोरो जो पहरा रानी केकैई को ।। दो बोल।।
राजा घुरि घुरि सोय भरत प्यारे मै ना जियुं रघुनाथ बिना जैसे जल बिन 0 !!

मांग ले रानी जो वर मांगें ।। दो बोल।।
जो मन इच्छा होय भरत प्यारे मै ना जियुं रघुनाथ बिना जैसे जल बिन 0 !!

जो मै मांगू ना दोगे राजा ।। दो बोल।।
वचन अकारथ जाय भरत प्यारे मै ना जियुं रघुनाथ बिना जैसे जल बिन 0 !!

दुॅगा वहीं जो मांगे तू रानी ।। दो बोल।।
सौगन्ध राम की खाय भरत प्यारे मै ना जियुं रघुनाथ बिना जैसे जल बिन 0 !!

राम चन्द्र को वन में भेजो ।। दो बोल।।
भरत को देदो राज भरत प्यारे मै ना जियुं रघुनाथ बिना जैसे जल बिन 0 !!

दशरथ राजा धरणी पडे है ।। दो बोल।।
केकई मन मुस्काय भरत प्यारे मै ना जियुं रघुनाथ बिना जैसे जल बिन 0 !!

जहर समान बचन यह तेरो
हो गयो क्या बिधि भाग भरत प्यारे मै ना जियुं रघुनाथ बिना जैसे जल बिन 0 !!

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

अरज करत हुँ पॉव पडत हूँ
मत भेजो बनबास भरत प्यारे मै ना जियुं रद्युनाथ बिना जैसे जल बिन 0 !!

जो चाहे सो किजो राजा
बचन तुम्हारो जाय भरत प्यारे मै ना जियुं रद्युनाथ बिना जैसे जल बिन 0 !!

राम लछिमन वन को चले है ।। दो बोल।।
सीता लगी है साथ भरत प्यारे मै ना जियुं रद्युनाथ बिना जैसे जल बिन 0 !!

दशरथ राजा स्वर्ग सिधारे ।। दो बोल।।
केकई मन मुस्काय भरत प्यारे मै ना जियुं रद्युनाथ बिना जैसे जल बिन 0 !!

भरत कुवंर राजा बने है ।। दो बोल।।
साधु भेष बनाय भरत प्यारे मै ना जियुं रद्युनाथ बिना जैसे जल बिन 0 !!

सारी अयोध्या शोक में डुबी ।। दो बोल।।
रटत राम नाम भरत प्यारे मै ना जियुं रद्युनाथ बिना जैसे जल बिन 0 !!

होली न0 09

तुम भक्तन के हितकारी हरि
तुम भक्तन के हितकारी हरि तुम भक्तन के हितकारी हरि

गज और ग्राह लडे जल भितर ।।दो बोल।।
लडत लडत गज हारो हरि तुम भक्तन के हितकारी हरि तुम भक्तन के हितकारी हरि तुम भक्तन के हितकारी हरि।।

जौं भर सुड रहे जल उपर ।। दो बोल।।
तब गज नाम उजारो हरि तुम भक्तन के हितकारी हरि तुम भक्तन 0

गज की टेर सुनी मधुवन में ।। दो बोल।।
नंगें पांव पसारो हरि तुम भक्तन के हितकारी हरि तुम भक्तन 0

दुर्योधन महा दुखदायी ।। दो बोल।।
नोगी द्रोपति नारी हरि तुम भक्तन के हितकारी हरि तुम भक्तन 0

खींचत खींचत अन्त न पायो ।। दो बोल।।
अंम्बर ढेर लगायो हरि तुम भक्तन के हितकारी हरि तुम भक्तन 0

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

दुशासन की बांह हटायी ।। दो बोल।।
द्रोपति कैसे लाज धरि तुम भक्तन के हितकारी हरि तुम भक्तन 0

द्रोपति टेर सुनी मधुवन में ।। दो बोल।।
आन सहाय भए है हरि तुम भक्तन के हितकारी हरि तुम भक्तन 0

भिलनी के बेर सुदामा के तन्डुल ।। दो बोल।।
रूची सुची भोग लगायो हरि तुम भक्तन के हितकारी हरि तुम भक्तन 0

दुर्योधन घर मेवा त्यागे ।। दो बोल।।
साग विदुर घर खायो हरि तुम भक्तन के हितकारी हरि तुम भक्तन 0

दुर्बल मीत सुदामा जी आये ।। दो बोल।।
दुख दरिद्र सब हारो हरि तुम भक्तन के हितकारी हरि तुम भक्तन 0

देवताओं को सुख दियो है ।। दो बोल।।
कंश के वंश को मारयो हरि तुम भक्तन के हितकारी हरि तुम भक्तन 0

होली न0 10

कुरूक्षेत्र कौरव पाण्डव को !! दो बोल !!
जुवा खेलन मे राड भई है !! दो बोल !!
दोनो दल मे युद्ध भयो !! कुरूक्षेत्र 0 !!

भीष्म पितामह पिता उन्ही के
दोनो दल समझाय रहे !! कुरूक्षेत्र 0 !!

जोष्ठिल राज को राज गयो है
फरसा जोगी की पुस्तक गई !! कुरूक्षेत्र 0 !!

मांकुन्धा को बनसाडो गयो है
द्रोपदी रानी की लाज गई !! कुरूक्षेत्र 0 !!

अर्जुन गाण्डीव धनुष गयो है
भीमसेन योद्धा की गधा गई !! कुरूक्षेत्र 0 !!

नकुल बाल को चक्र गयो है
सहदेव योद्धा की शंख गई !! कुरूक्षेत्र 0 !!

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 11

कुण्डलपुर के राजा भिष्मक नाम कहाय !!दो बोल0!!
ता घर जनमी कन्या रूक्मणी नाम धराय !!दो बोल0!!
रूक्मणी ऐसी जनमी जैसो फुल्यो हो गुलाब !!दो बोल0!!
कनक बदन तन सो है मुख चन्दा सो हाय !!दो बोल0!!
उसी शहर के अधबिच देवी को दरबार !!दो बोल0!!
नित उठी कन्या रूक्मणी देवी पूजन जाय !!दो बोल0!!
अक्षत चन्दन ले के नारियल भेंट चडाय !!दो बोल0!!
पिता कहै श्रीकृष्ण को दिजो भाई कहै शिशुपाल !!दो बोल0!!
धनुष को हाथ में लेके लडन चले शिशुपाल !!दो बोल0!!
पिताम्बर के कपडे गरूड चले असवार !!दो बोल0!!
गगन मण्डल से झपटे रूक्मणी को ले जाय !!दो बोल0!!

होली न0 12

राजा बलि छलने राजा बलि छलने को आये तिरलोकी राजा बलि छलने
निरनबै यज्ञ किये राजा बलि ने ।। दो बोल।।
किन्ही स्वर्ग की आशा राजा बलि छलने राजा बलि छलने को आये तिरलोकी राजा बलि छलने

इन्द्र राजा को सोच भयो है ।। दो बोल।।
पहुचे विष्णु के पासा राजा बलि छलने राजा बलि छलने को 0

इन्द्र राज ने व्यथा सुनाई ।। दो बोल।।
कहके सारे हाला राजा बलि छलने राजा बलि छलने को 0

बुडे बामन को भेष धर्यो है ।। दो बोल।।
पहुचें यज्ञ की साला राजा बलि छलने राजा बलि छलने को 0

बुडे बामन को आसन दिन्हा ।। दो बोल।।
पुछे सारे हाला राजा बलि छलने राजा बलि छलने को 0

मांग ले बामन जो कछु मांगे ।। दो बोल।।
जो मन इच्छा होय राजा बलि छलने राजा बलि छलने को 0

तीन चरण मोहे धरती दिजो ।। दो बोल।।
यज्ञ करन को शाला राजा बलि छलने राजा बलि छलने को 0

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

अहो बामन तैनें कछु नहीं मांगा ।। दो बोल।।
किस्मत तेरी खोटी राजा बलि छलने राजा बलि छलने को 0

एक चरण से धरती नापी ।। दो बोल।।
दुजे से आकाशा राजा बलि छलने राजा बलि छलने को 0

तिसोरो चरण बलि सिर पर राख्यो ।। दो बोल।।
बलि पहुचें पाताला राजा बलि छलने राजा बलि छलने को 0

राजा बलि पाताल गयो है ।। दो बोल।।
शिष उडै आकाशा राजा बलि छलने राजा बलि छलने को 0

घन घन घन घन घण्टा बाजै ।। दो बोल।।
धूल उडी आकाशा राजा बलि छलने राजा बलि छलने को 0

होली न0 13

घर लौटी चलो रघुनाथ अयोघ्या सोने की
अयोघ्या नगरी निरमल सरयु
चैन से कीजो राज अयोघ्या सोने की !! घर लौटी 0!!

भूखन भय्या भोजन दिजो
नंगन दिजो चिर अयोघ्या सोने की !! घर लौटी 0!!

प्रजा को सब सुख से रखियो
चैन से किजो राज अयोघ्या सोने की !! घर लौटी 0!!

बचन पिता हम नही तोरे
चौदह बरस बनवास अयोघ्या सोने की !! घर लौटी 0!!

तबही भरत मन सोच करत है
राम रहे बनवास अयोघ्या सोने की !! घर लौटी 0!!

राम खडाउ भरत ले आये
राज का खडाउ दीन अयोघ्या सोने की !! घर लौटी 0!!

बहार से बस राज चलाये
प्रजा को सुख दीन अयोघ्या सोने की !! घर लौटी 0!!

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 14

तल धरती पुर बादल बादल उपजो बयार
तल धरती पुर बादल बादल उपजो बयार ।।दो बोल।।

कै बन अमरित सिजो कै बन उपजो खमार ।।दो बोल।।
मधुबन अमरित सिजो गोकुल उपजो खमार ।।दो बोल।।

पाण्डव जुहरा खेले सतयुग को अवतार ।।दो बोल।।
कौरव जुहरा खेले कपट करें व्यवहार ।।दो बोल।।

ले हो पाण्डव जुहरा तुम हो जेठिय राठ ।।दो बोल।।

त्रिया बैरि यौवन माच्छा बैरि जाल ।।दो बोल।।
धन को बैरि जुहरा रण बैरि तलवार ।।दो बोल।।

सुरज को बैरि बादल बादल बैरि बयाल ।।दो बोल।।
देश को बैरि नेता गौं बैरि छ शराब ।।दो बोल।।

पाण्डव जुहरा खेलें पांसा पडि गयो हार ।।दो बोल।।

अरब खरब सब हारो हारो धन की मजार ।।दो बोल।।
अरब खरब सब हारो हारो द्रोपति नार ।।दो बोल।।

युधिष्टिर भये है पंडित घर घर वेद सुनाय ।।दो बोल।।
नकुल भये है ज्योतिष सहदेव करो है विचार ।।दो बोल।।

भिमवा बन्यो है रसोइया नकुल बन्यो है ग्वाल ।।दो बोल।।
द्रोपति भयी है मलनिया घर घर फुलवा देय ।।दो बोल।।

बडाबे की होली

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 15

ऐसी पति विरत नारि सुलोचना सती भई बालम संग में
चल रावण राम को युद्ध भयो है ।।दो बोल।।
युद्ध भयो घनघोर सुलोचना सति भई बालम संग में ऐसी पति 0

योद्धाओं से योद्धा भिड गये ।। दो बोल।।
मच गई हाहाकार सुलोचना सति भई बालम संग में ऐसी पति 0

मेघनाथ रण भूमि गये है ।। दो बोल।।
लछिमन से भिड जाय सुलोचना सति भई बालम संग में ऐसी पति 0

मेघनाथ ने बाण चलायो ।। दो बोल।।
लछिमन का लग जाय सुलोचना सति भई बालम संग में ऐसी पति 0

लछिमन योद्धा धरणी में आये ।। दो बोल।।
बानर सब व्याकुल होय सुलोचना सति भई बालम संग में ऐसी पति 0

द्रोणांचल से वैघ बुलायो ।। दो बोल।।
रामीचन्द्र व्याकुल होय सुलोचना सति भई बालम संग में ऐसी पति 0

है कोई योद्धा इस कपि दल में ।। दो बोल।।
जाय संजीबन लाय सुलोचना सति भई बालम संग में ऐसी पति 0

तब हनुमान ले बेडा उठायो ।। दो बोल।।
जाय संजीवन लाय सुलोचना सति भई बालम संग में ऐसी पति 0

पाय संजीवन लछिमन जी आये ।। दो बोल।।
बानर हरषित होय सुलोचना सति भई बालम संग में ऐसी पति 0

रावण राम को युद्ध भयो है ।। दो बोल।।
युद्ध भयो घनघोर सुलोचना सति भई बालम संग में ऐसी पति 0

लछिमन रण भुमि गये है ।। दो बोल।।
मेघनाथ से भिड जाय सुलोचना सति भई बालम संग में ऐसी पति 0

लछिमन ने बाण चलायो ।। दो बोल।।
मेघनाथ को लग जाय सुलोचना सति भई बालम संग में ऐसी पति 0

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

शीष गयो है रामा दल में
भुजा सुलोचन द्वार सुलोचना सति भई बालम संग में ऐसी पति 0

मेरे पति रण भूमि गए है ।। दो बोल।।
कोई खबर न आय सुलोचना सति भई बालम संग में ऐसी पति 0

कटी भुजा जब लेखन लागी ।। दो बोल।।
लीख दीनी सब बात सुलोचना सति भई बालम संग में ऐसी पति 0

मेरे स्वामी का शीश मंगा दो ।। दो बोल।।
जाउ बालम साथ सुलोचना सति भई बालम संग में ऐसी पति 0

कटी भूजा को गोद में लिन्हो
जीवन कैसे काटूँ सुलोचना सति भई बालम संग में ऐसी पति 0

अपने पति की भूजा को लेकर
राम के सनमुख जाय सुलोचना सति भई बालम संग में ऐसी पति 0

तीनों लोक के हरता करतां
सूरज वंश कहाय सुलोचना सति भई बालम संग में ऐसी पति 0

मेरे स्वामी का शीश दे दिजो
जाउ स्वामी के साथ सुलोचना सति भई बालम संग में ऐसी पति 0

शीष भी उनका हॅसने लागा
लेके भुजा का हाल सुलोचना सति भई बालम संग में ऐसी पति 0

अपने स्वामी के शीश को लेकर
चली समून्दर तीर सुलोचना सति भई बालम संग में ऐसी पति 0

अगर चन्दन की चीता बनाई
जल गई स्वामी के साथ सुलोचना सति भई बालम संग में ऐसी पति 0

बडाबे की होली

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 16

मेरी पडि गै भॅवर बिच नाव गंगा सागर मे।
ता थैइया गंगा सागर मे
ओ हो हो गंगा सागर मे
हो हो हो गंगा सागर मे

काहे की नाव काहे की काठी
कौन उतारे पार गंगा सागर मे !! मेरी पडी 0 !!

काठ की नाव बांस की काठी
कृष्ण उतारे पार गंगा सागर मे !! मेरी पडी 0 !!

कौन खेव्ययया कौन तरययया
कौन उतारे पार गंगा सागर मे !! मेरी पडी 0 !!

हम छु तरैययया कृष्ण खेवय्या
कृष्ण लगावै पार गंगा सागर मे !! मेरी पडी 0 !!

होली न0 17

गई गई असुर तेरी नार मन्दोदरी सिया मिलन गई बागा में
थालिन भर भर भोजन परसे ।। दो बोल।।
गडुवन भर भर नीर मन्दोदरी सिया मिलन गई बागा में गई गई 0

ले हो सीता भोजन पाओ ।। दो बोल।।
मै लंका की नार मन्दोदरी सिया मिलन गई बागा में गई गई 0

ना मै तेरो भोजन पाउॅ ।। दो बोल।।
तुम हो असुर की नार मन्दोदरी सिया मिलन गई बागा में गई गई 0

तू तो कहती सत्य की सीता ।। दो बोल।।
किस बिधि लंका मे आयी मन्दोदरी सिया मिलन गई बागा में गई गई 0

जो मै हॅूगी सत्य की सीता
होय असुर कुल नास मन्दोदरी सिया मिलन गई बागा में गई गई 0

तेरो कुन्था मो हर लायो
अपनो नाश कराय मन्दोदरी सिया मिलन गइ बागा मे !! गइ गइ असुर 0!!

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

तू तो सत्य की सीता कहावे
असुर अधम घर आय मन्दोदरी सिया मिलन गइ बागा मे !! गइ गइ असुर 0!

कहत मन्दोदरी सुन प्रिय रावण ।। दो बोल।।
जिसकी त्रिया तुम हर लाये ।। दो बोल।।
वे हैं तिरलोकी नाथ मन्दोदरी सिया मिलन गई बागा में गई गई 0

कहत मन्दोदरी सुन प्रिय रावण ।। दो बोल।।
जिस त्रिया को तुम हर लाये ।। दो बोल।।
वे हैं जगत की मात मन्दोदरी सिया मिलन गई बागा में गई गई 0

होली न0 18

शिव मन मे रमा रम रम ही गयो शिव मन मे रमा रम रम ही गयो
जिनकी जटा मे गंगा विराजै !!
वे है तारणहार रमा !! शिव मन मे !!
जिनके मस्तक चन्दा विराजै !!
वे है नाथौ के नाथ रमा !! शिव मन मे !!
जिनके गले मे नाग विराजै !!
वे है भोले नाथ रमा !! श्रिव मन मे !!
जिनके कमर मे बागम्बर छाला !!
वे है सबके स्वामी रमा !! शिव मन मे !!

होली न0 19

भजु दशरथ नन्दन जनक लली !!
कौन राजा घर राम भये है ।। दो बोल।।
कौन राजा घर भई है लली भजु दशरथ नन्दन जनक 0

दशरथ के घर राम भये है ।। दो बोल।।
जनक राजा घर भई है लली भजु दशरथ नन्दन जनक 0

कितने बरष के राम भये है ।। दो बोल।।
कितने बरष की भई है लली भजु दशरथ नन्दन जनक 0

चौदह बरष के राम भये है ।। दो बोल।।
बारह बरष की भई है लली भजु दशरथ नन्दन जनक 0

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

जनक स्वयंबर यज्ञ रच्यो है ।। दो बोल।।
तोड धनुष की बात चली भजु दशरथ नन्दन जनक 0

देश विदेश के राजा आए ।। दो बोल।।
दूत पढाये गली गली भजु दशरथ नन्दन जनक 0

विश्वामित्र महामुनि आये
संग में आये रामबली भजु दशरथ नन्दन जनक 0

लंका गढ से रावण आए ।। दो बोल।।
धनुष उठे ना तील भरी भजु दशरथ नन्दन जनक 0

विश्वामित्र से आज्ञा लेकर ।। दो बोल।।
धनुष चढाए राम बली भजु दशरथ नन्दन जनक 0

रामबली ने शिवधनु तोडा
ब्याह के लाये जनक लली भजु दशरथ नन्दन जनक

सीता राम को व्याह भयो है ।। दो बोल।।
ऐसी जोडी बडी भली भजु दशरथ नन्दन जनक 0

होली न0 20

घर लौटी चलो भगवान भरत मेरी प्रजा को दुख मत दिजो
दशरथ राजा बांस कटन गये ।। दो बोल।।
अंगूठा लागी फांस भरत मेरी प्रजा को दुख मत दिजो घर लौटी 0

जो मेरी पिडा को दुर करेगी ।। दो बोल।।
देदूँ सारा राज भरत मेरी प्रजा को दुख मत दिजो घर लौटी चलो 0

दशरथ राजा की तीनो रनियॉ ।। दो बोल।।
तीनों पहरा देय भरत मेरी प्रजा को दुख मत दिजो घर लौटी 0

पहलो जो पहरा रानी कौशल्या ।। दो बोल।।
राजा चैन न होय भरत मेरी प्रजा को दुख मत दिजो घर लौटी 0

दूसोरो जो पहरा रानी सुमित्रा ।। दो बोल।।
राजा निंद न होय भरत मेरी प्रजा को दुख मत दिजो घर लौटी 0

बडाबे की होली संग्रहकर्ता बिपिन चन्द्र जोशी

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

तिसोरो जो पहरा रानी केकैई को ।। दो बोल।।
राजा घुरि घुरि सोय भरत मेरी प्रजा को दुख मत दिजो घर लौटी चलो 0

मांग ले रानी जो वर मांगें ।। दो बोल।।
जो मन इच्छा होय भरत मेरी प्रजा को दुख मत दिजो घर लौटी चलो 0

जो मै मांगू वो ना दोगे राजा ।। दो बोल।।
वचन अकारथ जाय भरत मेरी प्रजा को दुख मत दिजो घर लौटी चलो 0

दुँगा वहीं जो मांगे तू रानी ।। दो बोल।।
शौगन्ध राम की खाय भरत मेरी प्रजा को दुख मत दिजो घर लौटी चलो 0

राम चन्द्र वन को भेजो ।। दो बोल।।
भरत को देदो राज भरत मेरी प्रजा को दुख मत दिजो घर लौटी चलो 0

दशरथ राजा धरणी पडे है ।। दो बोल।।
केकई मन मुस्काय भरत मेरी प्रजा को दुख मत दिजो घर लौटी 0

जहर समान बचन यह तेरो
हो गयो क्या बिधि भाग भरत मेरी प्रजा को दुख मत दिजो घर लौटी 0

अरज करत हुँ पॉव पडत हूँ
मत भेजो बनबास भरत मेरी प्रजा को दुख मत दिजो घर लौटी 0

जो चाहे सो किजो राजा
बचन तुम्हारो जाय भरत मेरी प्रजा को दुख मत दिजो घर लौटी 0

राम लछिमन वन को चले है ।। दो बोल।।
सिता लगी है साथ भरत मेरी प्रजा को दुख मत दिजो घर लौटी चलो 0

दशरथ राजा स्वर्ग सिधारे ।। दो बोल।।
केकई मन मुस्काय भरत मेरी प्रजा को दुख मत दिजो घर लौटी चलो 0

भरत कुवंर राजा बने है ।। दो बोल।।
साधु भेष बनाय भरत मेरी प्रजा को दुख मत दिजो घर लौटी चलो 0

सारी अयोध्या शोक में डुबी ।। दो बोल।।
रटत राम नाम भरत मेरी प्रजा को दुख मत दिजो घर लौटी चलो 0

बडाबे की होली

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 21

हर हरिया पंख मुख लाल सुवा बोलिया जन बोले बागा में

दशरथ राजा मांछ कटन गये ।। दो बोल।।
अंगूठा लागी फांस सुवा बोलिया जन बोले बागा में हर हरिया 0

जो मेरे अंगुठा की पीडा को हर दे ।। दो बोल।।
ताको देदुं राज सुवा बोलिया जन बोले बागा में हर हरिया 0

दशरथ राजा की तीनो रनियॉ ।। दो बोल।।
तीनों पहरा देय सुवा बोलिया जन बोले बागा में हर हरिया 0

पहलो जो पहरा रानी कौशल्या ।। दो बोल।।
राजा चैन न होय सुवा बोलिया जन बोले बागा में हर हरिया 0

दूसोरो जो पहरा रानी सुमित्रा ।। दो बोल।।
राजा निंद न होय सुवा बोलिया जन बोले बागा में हर हरिया 0

तिसोरो जो पहरा रानी केकैई को ।। दो बोल।।
राजा घुरी घुरी सोय सुवा बोलिया जन बोले बागा में हर हरिया 0

मांग ले रानी जो वर मांगें ।। दो बोल।।
जो मन इच्छा होय सुवा बोलिया जन बोले बागा में हर हरिया 0

जो मै मांगू वो तुम ना दोगे ।। दो बोल।।
वचन अकारथ जाय सुवा बोलिया जन बोले बागा में हर हरिया 0

दुॅगा वहीं जो मांगे तू रानी ।। दो बोल।।
शौगन्ध राम की खाय सुवा बोलिया जन बोले बागा में हर हरिया 0

राम चन्द्र बन को भेजो ।। दो बोल।।
भरत को देदो राज सुवा बोलिया जन बोले बागा में हर हरिया 0

दशरथ राजा धरणी पडे है ।। दो बोल।।
केकई मन मुस्काय सुवा बोलिया जन बोले बागा में हर हरिया 0

जहर समान बचन यह तेरो
हो गयो क्या बिधि भाग सुवा बोलिया जन बोले बागा में हर हरिया 0

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

अरज करत हुँ पॉव पडत हूँ
मत भेजो बनबास सुवा बोलिया जन बोले बागा में हर हरिया 0

जो चाहे सो किजो राजा
बचन तुम्हारो जाय सुवा बोलिया जन बोले बागा में हर हरिया 0

राम लछिमन वन को चले है ।। दो बोल।।
सिता लगी है साथ सुवा बोलिया जन बोले बागा में हर हरिया 0

दशरथ राजा स्वर्ग सिधारे ।। दो बोल।।
केकई मन मुस्काय सुवा बोलिया जन बोले बागा में हर हरिया 0

भरत कुवंर राजा बने है ।। दो बोल।।
साधु भेष बनाय सुवा बोलिया जन बोले बागा में हर हरिया 0

सारी अयोध्या शोक में डुबी ।। दो बोल।।
रटत राम नाम सुवा बोलिया जन बोले बागा में हर हरिया 0

होली न0 22

उठ भारत हो उठ भारत राम मिलन आये उठ भारत हो
कौन के हाथ रंगीलो ढप सोहै
कौन के हाथ अबीर जोडी उठ भारत हो उठ भारत राम मिलन आये उठ भारत हो

राम के हाथ रंगीलो ढप सोहै
लछिमन हाथ अबीर जोडी उठ भारत हो उठ भारत

कौन के हाथ थमत पिचकारी
कौन के हाथ मजिर जोडी उठ भारत हो उठ भारत

भरत के हाथ थमत पिचकारी
शत्रुघन हाथ मजिर जोडी उठ भारत हो उठ भारत

कौन राजा घर जनम लियो है
कौन राजा घर ये जोडी उठ भारत हो उठ भारत

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

जनक राजा घर जनम लियो है
दशरथ के घर ये जोडी उठ भारत हो उठ भारत

कौन समय सीता खेले होली
कौन समय ये जोडी उठ भारत हो उठ भारत

सुबह सबेरे सीता खेले होली
दोपर खेले ये जोडी उठ भारत हो उठ भारत

केशर घोल लियो बेलिया में
झिडकत राम लखन जोडी उठ भारत हो उठ भारत

मात कौशल्या देत आशिषा
युग युग जिबै ये जोडी उठ भारत हो उठ भारत

होली न0 23

सत्य धरम मत छोडो लला भव सागर से तर जाओगे ।।खडी बोल।।।
देव दनुज में युद्ध भयो है ।। दो बोल।।
युद्ध भयो घनघोर लला भव सागर से तर जाओगे सत्य धरम 0
सारे राक्षस प्रभु जी ने मारे ।। दो बोल।।
सत्य की जीत जो होय लला भव सागर से तर जाओगे सत्य धरम मत 0

मथुरांचल की मथनी बनाई ।। दो बोल।।
बासु नाग की डोर लला भव सागर से तर जाओगे सत्य धरम 0
गेंद को लेने यमुना में कूदे ।। दो बोल।।
काली नाग को नाथ लला भव सागर से तर जाओगे सत्य धरम 0

भक्त प्रहलाद को खम्बे से बांधा ।। दो बोल।।
नरसिंह रूप धरायो लला भव सागर से तर जाओगे सत्य धरम 0
शुक्र की आंख फोडी प्रभु जी ने ।। दो बोल।।
कुश को बाण चलायो लला भव सागर से तर जाओगे सत्य धरम 0

हल्दू के दैतं को मार भगाया ।। दो बोल।।
लटेश्वर रूप धरायो लला भव सागर से तर जाओगे सत्य धरम 0
गौतम नारी अहिल्या तारि ।।दो बोल।।
रामी चन्द्र रूप धरायो लला भव सागर से तर जाओगे सत्य धरम 0

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 24

जय बोलो यशोदा नन्दन की जय बोलो यशोदा नन्दन की

मोर मुकुट पिताम्बर सोहै ।। दो बोल।।
भाल विराजै चन्दन की जय बोलो यशोदा नन्दन की जय बोलो यशोदा नन्दन की
मधुर मधुर स्वर बांस मुरूलिया ।। दो बोल।।
बाजत यशोदा नन्दन की जय बोलो यशोदा 0

यमुना तट पर धेनु चरावै ।। दो बोल।।
हाथ लकुटिया चन्दन की जय बोलो यशोदा 0
दुष्ट दलन कंसासुर मारयो ।। दो बोल।।
सहसन गोपी चन्दन की जय बोलो यशोदा 0

नारद शेष महेश विधाता ।। दो बोल।।
सुर नर मुनि के बन्दन की जय बोलो यशोदा 0
सारा जग प्रभु चरण लुभाये ।। दो बोल।।
सुखदायक दुख भंजन की जय बोलो यशोदा 0
जय बोलो यशोदा नन्दन की

होली न0 25

बचो बचो भरत के लोग कलयुग आ रयोछ्
ता थ्यया कलयुग आ रयोछ्
हो हो हो कलयुग आ रयोछ्

देवी देवताओ को कोई न पूछे ।। दो बोल।।
जब से चली है शराब कलयुग आ रयोछ् बचो बचो भरत 0
धरम करम सब लुप्त भयो है ।। दो बोल।।
पाप गयो है छाय कलयुग आ रयोछ् बचो बचो भरत 0

पैली का लोग दै दूध खांत्या ।। दो बोल।।
अब का पिनी है शराब कलयुग आ रयोछ् बचो बचो भरत 0
मात पिता से बैर करत है ।। दो बोल।।
नारि होय सुहाय कलयुग आ रयोछ् बचो बचो भरत 0
देवी देवता लुप्त भये है
पाप गयो है छाय कलयुग आ रयोछ् बचो बचो भरत 0
बेटी बेच पिता धन खाये

बडाबे की होली संग्रहकर्ता बिपिन चन्द्र जोशी फोन 9899315859

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

कन्यादान कहाय कलयुग आ रयोछ् बचो बचो भरत 0
बहिन भानिज को कोई न पूछे
साली न्यूता रमाय कलयुग आ रयोछ् बचो बचो भरत 0

पुत्र पिता को ऑख दिखावै
बात बात धमकाय कलयुग आ रयोछ् बचो बचो भरत 0
भाई पिता बैठे सभा में
बेटी नाच दिखाय कलयुग आ रयोछ् बचो बचो भरत 0

होली न0 26

सुमिरो सीता राम भया कोई हीरा जनम नहीं पाओगे
इस कलयुग में दो ही बडें है ।। दो बोल।।
इक माता इक पिता भया कोई हीरा जनम नहीं पाओगे ।। सुमिरो सीता 0।।
जनम जनम से सुख देवे माता ।। दो बोल।।
पालन को यो पिता भया कोई हीरा जनम नहीं पाओगे ।। सुमिरो सीता 0।।

इस कलयुग में दो ही बडें है। ।। दो बोल।।
इक गंगा इक राम भया कोई हीरा जनम नहीं पाओगे ।। सुमिरो सीता 0।।
कुल तारन को गंगा बही है ।। दो बोल।।
नाम जपन को राम भया कोई हीरा जनम नहीं पाओगे ।। सुमिरो सीता 0।।

इस कलयुग में दो ही बडें है ।। दो बोल।।
इक बामन इक गाय भया कोई हीरा जनम नहीं पाओगे ।। सुमिरो सीता 0।।

कुल तारन को गाय भयी है ।। दो बोल।।
यज्ञ करन को बामन भया कोई हीरा जनम नहीं पाओगे ।। सुमिरो सीता 0।।

निशिदिन ज्योति जलै त्रिभुवन में ।। दो बोल।।
इक सूरज इक चन्दा भया कोई हीरा जनम नहीं पाओगे ।। सुमिरो सीता 0।।

ताप तपन को सूरज भया है ।। दो बोल।।
शितलता करन को चन्दा भया कोई हीरा जनम नहीं पाओगे ।। सुमिरो सीता 0।।

दुर्बल मित सुदामा जी आये ।। दो बोल।।
दुख दरिद्र सब हारो भया कोई हीरा जनम नहीं पाओगे ।। सुमिरो सीता 0।।

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 27

दधि लूटै नन्द को लाल बेचन ना जहियो

कहां के तुम ग्वाल गुजरिया ।। दो बोल।।
कां दधि बेचन जाय बेचन ना जहियो दधि लूटै नन्द 0

मथुरा के हम ग्वाल गुजरिया ।। दो बोल।।
गोकुल बेचन जाय बेचन ना जहियो दधि लूटै नन्द 0

कौन राजा के ग्वाल गुजरिया ।। दो बोल।।
कौन लला दधि खाय बेचन ना जहियो दधि लूटै नन्द 0

कंस राजा के ग्वाल गुजरिया ।। दो बोल।।
कृष्ण लला ददि खाय बेचन ना जहियो दधि लूटै नन्द 0

हाथ कटौरा सिर पर गगरी ।। दो बोल।।
घर घर बेचन जाय बेचन ना जहियो दधि लूटै नन्द 0

इस कौडीय को दान पडत है
दान दिये घर जाय बेचन ना जहियो दधि लूटै नन्द 0

दान दहिय को दान महिय को
दान यौवन को होय बेचन ना जहियो दधि लूटै नन्द 0

दै दिनी खाई मटक दिनो फोडी ।। दो बोल।।
माखन लेह लुटाय बेचन ना जहियो दधि लूटै नन्द 0

ना दधि खट्टी ना दधि मिठी ।। दो बोल।।
छॉछ दियी है मिलाय बेचन ना जइयो दधि लुटे 0

जाय पुकारू कंश राजा को ।। दो बोल।।
त्वौ डालूॅ मरवाय बेचन ना जहियो दधि लूटै नन्द 0

कंश को मारू कंशासूर मारू ।। दो बोल।।
तब यशोदा को लाल बेचन ना जहियो दधि लूटै नन्द 0

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 28

परण भयो राजा राम जनकपुर परण भयो
एक एक पाती पुरब को भेजी
पुरब राजा आय जनकपुर परण भयो परण भयो 0

एक एक पाती पश्चिम को भेजी
पश्चिम राजा आय जनकपुर परण भयो परण भयो 0

एक एक पाती उत्तर को भेजी
उत्तर राजा आय जनकपुर परण भयो परण भयो 0

एक एक पाति दक्षिण को भेजी
दक्षिण राजा आय जनकपुर परण भयो परण भयो 0

देश विदेश के राजा आये
बैढे अपने समाज जनकपुर परण भयो परण भयो 0

भूप शहस्त्र दस एक ही बारा
धनुष हिलो नहीं जाय जनकपुर परण भयो परण भयो 0

जनक राजा ने सोच कियो है
सीता रही कुंवारी जनकपुर परण भयो परण भयो 0

जनक राजा ने क्रोध कियो है
पृथ्वी विन विहिन जनकपुर परण भयो परण भयो 0

तब लछिमन ने क्रोध कियो है
हम रघुवंसी वीर जनकपुर परण भयो परण भयो 0

विश्वामित्र से आज्ञा पाकर
रामही चाप चढाय जनकपुर परण भयो परण भयो 0

बडाबे की होली

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 29

कहो सखी तेरो पिया कंहा गयो ।। दो बोल।।
कंहॉ गयो देवर लाल अंगना भिजी गयी रसियो से ओ यौवना पडी गयो लूट न्याय नहीं मथुरा नगरी !!

पिया गयो मुग खरदन को रे ।। दो बोल।।
देवर गयो ससुराल अंगना भिजी गयी रसियो से ओ यौवना पडी 0

कितने बरष मे पिया घर आवै ।। दो बोल।।
कितने बरष मे देवर लाल अंगना भिजी गयी रसियो से ओ यौवना पडी 0

बारह बरष में पिया घर आवै ।। दो बोल।।
सोलह बरष में देवर लाल अंगना भिजी गयी रसियो से ओ यौवना पडी 0

काहिय काट के कागज बनाउ ।। दो बोल।।
काहे बनाउॅ स्याह अंगना भिजी गयी रसियो से ओ यौवना पडी 0

अंचल फाडी के कागज बनाउॅ ।। दो बोल।।
पोछि कजरन की स्याह अंगना भिजी गयी रसियो से ओ यौवना पडी 0

कौन जो पंडित पाती लेखै ।। दो बोल।।
कौन चलावै डाक अंगना भिजी गयी रसियो से ओ यौवना पडी 0

सुवा जो पंडित पाती लेखै ।। दो बोल।।
काक चलावै डाक अंगना भिजी गयी रसियो से ओ यौवना 0

पूरब जो बदरा उनारो हो पूरब जो बदरा उनारो ।। खडी बोल।।
पश्चिम भयो घनघोर अंगना भिजी गयी रसियो से ओ यौवना पडी 0

उत जन बरसे मेघुना रे उत जन बरसे मेघुना
उतही पिया परदेश अंगना भिजी गयी रसियो से ओ यौवना पडी 0

अब मेरे पिया को आवना रे अब मेरे पिया को आवना ।। खडी बोल।।
डाहिन बोले काक अंगना भिजी गयी रसियो से ओ यौवना पडी 0

बडाबे की होली

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 30

गोरी प्यारो लगै तेरो झनकारो
बडो प्यारो लगै तेरो झनकारो

झनकारो झनकारो झनकारो गोरी प्यारो लगै तेरो झनकारो

तुम हो बृज की सुनदर गोरी ।। दो बोल।।
मै मथुरा को मतवारो गोरी प्यारो लगै तेरो झनकारो गोरी प्यारो 0

चुनरी चादर सभी रंगे है ।। दो बोल।।
फागुन ऐसो मतवारो गोरी प्यारो लगै तेरो झनकारो गोरी प्यारो 0

अब के फागुन अरज करत हैं ।। दो बोल।।
दिल कर दे ऐसो मतवारो गोरी प्यारो लगै तेरो झनकारो गोरी प्यारो 0

सखियां सब मिल खेल रही है ।। दो बोल।।
दिलवर को है दिल न्यारो गोरी प्यारो लगै तेरो झनकारो गोरी प्यारो 0

बृज मंडल सब धूम मची है ।। दो बोल।।
खेलत सखियां सो न्यारो गोरी प्यारो लगै तेरो झनकारो गोरी प्यारो 0

अंगुली पकड कर बहियां मरोरै ।। दो बोल।।
मोहन ऐसो मतवारो गोरी प्यारो लगै तेरो झनकारो गोरी प्यारो 0

घुंघट खोल गुलाल मलत है ।। दो बोल।।
बंज करे यो बनजारो गोरी प्यारो लगै तेरो झनकारो गोरी प्यारो 0

अपनी जगह में ये सब महिला ।। दो बोल।।
फागुन लागो बडो प्यारो गोरी प्यारो लगै तेरो झनकारो गोरी प्यारो ल0

बडाबे की होली

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 31

उमिदा यौवन कंया न माने भर गई नदियॉ सावन की।।
सावन की मन भावन की भर गई नदियॉ सावन की।।

लाल बाग में तम्बू खडा है जाजम भिजी गई रसियो से।।
चोली का ताना तरकन लाग्या मार पडी समसेरन की।।

कुन्जगलिन से निकसो छैला डडिया मेरो ले पकडी।।
हंसकर घुघट खोलो मेरी प्यारी आस करू तेरे स्युडिन की।।

छोड छयल मेरो डडिया को हाथ डडिया मेरो क्यों पकडी।।
ना छोडूॅ तेरो डडिया को हाथ डडिया तोडन को पकडी।।

छोड छयल मेरो बिदिया को हाथ बिदिया मेरो क्यों पकडी।।
ना छोडूॅ तेरो बिदिया को हाथ बिदिया तोडन को पकडी।।

चल रे कागा उडै दक्षिण को खबर लियो मेरे प्रीतम की।।
हट रे हस्ती हस्तियादल को राह बतो मेरे पनघट को।।

हट री रंडी आन मुलुक की हम है छैल मगनपुर के।।
दर्द को दादा विदर्द की भौजी तकि तकि मारूं सिरै गगरी !!

कुन्जगलिन से निक सो छैला कजरा मेरो क्यो पकडी।।
ना छोडुॅ तेरो कजरा को हाथ कजरा पोछन को पकडी।।

बडाबे की होली

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 32

अछे हां रे जेठानी मेरो मन पिया मां बैठो है।
चल पिया को दिलमोही नाहीं जेठानी मेरो मन पिया मां बैठो है।

अछे हां रे जेठानी रंग महल की कोठेरी हो कोठेरी !!
चल रंग महल चली आओ जेठानी मेरो मन पिया मा बैठो है चल पिया को दिलमोही नाहीं जेठानी मेरो मन पिया मां बैठो है।

अछे हां रे जेठानी ओढ दुपटटा सोई रहयो हो सोई रहयो !!
खिचातानी होय जेठानी मेरो मन पिया मा बैठो है चल पिया को दिलमोही नाहीं जेठानी मेरो मन पिया मां बैठो है।

अछे हां रे जेठानी हाथ कटोरा तेल को हो तेल को !!
पांवन तेल लगाओ जेठानी मेरो मन पिया मा बैठो है चल पिया को दिलमोही नाहीं जेठानी मेरो मन पिया मां बैठो है।

अछे हां रे जेठानी हाथ करैयया फूल को हो फूल को !!
फूल की भस्म सुघाओ जेठानी मेरो मन पिया मा बैठो है चल पिया को दिलमोही नाहीं जेठानी मेरो मन पिया मां बैठो है।

होली न0 33

रंग में होली कैसे खेलूॅ री मै सांवरिया के संग
रंग में होली कैसे खेलूॅ री मै सांवरिया के संग

अबीर उडता गुलाल उडता उडते सातो रंग सखी री अबीर उडता गुलाल उडता उडते सातो रंग।।
भर पिचकारी सनमुख मारी अंखियां हो गई दंग ।।रंग में 0।।

तबला बाजै सरंगी बाजै अरू बाजै मिरदंग
कान्हा जी की मुरली बाजै राधा जी के संग ।।रंग में 0।।

अबीर गुलाल के थाल सजे है उस पर घोला रंग
खसम तुम्हारे बडे निकम्मे चलो हमारे संग ।।रंग में 0।।

लहंगा तेरा घुम घुमेला चोली तेरी तंग
देवर तुम्हारे बडे निखटटु चलो हमारे संग ।।रंग में 0।।

अबीर गुलाल का नशा चडा है उस पर घोला भंग
सब साथी मिल खेलें आओ हमारे संग ।।रंग में 0।।

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 34

रामी चन्द्र लंका से आये भरत उज्जवल मन से !!दो बोल0!!

चल राम लखन सिय रथ चढी आये
हनुमंत संग मे आये भरत उज्जवल मन से 0

चल गलिन गलिन मे पुष्प बिछे हैं
घर घर मंगलाचार भरत उज्जवल मन से 0

चल सोने का सिहरा मुकुट सजे है
मोतियन हार चढाय भरत उज्जवल मन से 0

चल घर घर में सब लोग सजे है
सज गये नगर किवाड भरत उज्जवल मन से 0

चल मुनि वशिष्ट अब वेद पढे है
करे वो मंगलाचार भरत उज्जवल मन से 0

चल घर घर मे सब लोग कहत है
कर दिजो प्रभु राम तिलक भरत उज्जवल मन से 0

होली न0 35

भलो भलो जनम लियो श्याम राधिका भलो जनम लियो मथुरा में
भलो भलो जनम लियो श्याम राधिका भलो जनम लियो मथुरा में

भर भादो की रातिया में रे भर भादो कि रातिया में
कृष्ण लियो अवतार राधिका भलो जनम लियो मथुरा में ।।भलो भलो0।।

रोहिणी नक्षत्र जनम लियो है ।।दो बोल।।
जनम लिया बुधवार राधिका भलो जनम लियो मथुरा में ।।भलो भलो0।।

चारों चौकि सोई रही है ।।दो बोल।।
सोई रहे चौकिदार राधिका भलो जनम लियो मथुरा में ।।भलो भलो0।।

हाथन की हथकंडी छुटी !!
खुल गये बरज किवाड राधिका भलो जनम लियो मथुरा में ।।भलो भलो0।।

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

ले बालक वासुदेव चले है ।।दो बोल।।
पहुचे यमुना तीर राधिका भलो जनम लियो मथुरा में ।।भलो भलो0।।

उनै की यमुना उनै बहत है !!
उभै कि कर गई शोर राधिका भलो जनम लियो मथुरा में ।।भलो भलो0।।

उभै कि यमुना उभै थंमत है
बीच में पडी गयो रेख राधिका भलो जनम लियो मथुरा में ।।भलो भलो0।।

ले बालक वासुदेव चले है ।।दो बोल।।
पहूँचे नन्द के द्वार राधिका भलो जनम लियो मथुरा में ।।भलो भलो0।।

जब ये बालक गोकुल पहुँचा ।।दो बोल।।
हो रही जय जयकार राधिका भलो जनम लियो मथुरा में ।।भलो भलो0।।

होली न0 36

तेरो पतोलो कमर लम्ब केश सुन्दर जल भरन चली पनघट पर हो
तेरो पतोलो कमर लम्ब केश सुन्दर जल भरन चली पनघट पर हो

स्युडि तुम्हारी अजब बनी है ।।दो बोल।।
डडियन की छबी न्यार सुन्दर जल भरन चली पनघट पर हो ।।तेरो पतोलो 0।।

कपली तुम्हारी अजब बनी है ।।दो बोल।।
बिदिंयन की छबी न्यार सुन्दर जल भरन चली पनघट पर हो ।।तेरो पतोलो 0।।

अंखियां तुम्हारी अजब बनी है ।।दो बोल।।
कजरन की छबी न्यार सुन्दर जल भरन चली पनघट पर हो ।।तेरो पतोलो 0।।

होंठ तुम्हारे अजब बनी है ।।दो बोल।।
ललियन की छबी न्यार सुन्दर जल भरन चली पनघट पर हो ।।तेरो पतोलो 0।।

गाल तुम्हारे अजब बनी है ।।दो बोल।।
नथिंयन की छबी न्यार सुन्दर जल भरन चली पनघट पर हो ।।तेरो पतोलो 0।।

टटोली तुम्हारी अजब बनी है ।।दो बोल।।
हरेवन की छबी न्यार सुन्दर जल भरन चली पनघट पर हो ।।तेरो पतोलो 0।।

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

छतिया तुम्हारी अजब बनी है ।।दो बोल।।
अंगियन की छबी न्यार सुन्दर जल भरन चली पनघट पर हो ।।तेरो पतोलो 0।।

हाथ तुम्हारे अजब बनी है ।।दो बोल।।
चुडियन की छबी न्यार सुन्दर जल भरन चली पनघट पर हो ।।तेरो पतोलो 0।।

पैर तुम्हारे अजब बने है ।।दो बोल।।
पायल की छवि न्यार सुन्दर जल भरन चली पनघट पर हो ।।तेरो पतोलो 0।।

होली न0 37

गोरी गोरी के बदन पर दिल राजै काली गोरी के बदन पर तिल साजै
गोरी गोरी के बदन पर दिल राजै काली गोरी के बदन पर तिल साजै
कपलि तुम्हारी अजब बनी है ।।दो बोल।।
बिदिया लगाइके गोरी छाछै गोरी के बदन पर दिल राजै ।।गोरी गोरी0।।

अंखियॉ तुम्हारी अजब बनी है ।।दो बोल।।
कजरा लगाइके गोरी छाछै गोरी के बदन पर दिल राजै ।।गोरी गोरी0।।

गाल तुम्हारे अजब बनी है ।।दो बोल।।
नथिया पहनके गोरी छाछै गोरी के बदन पर दिल राजै ।।गोरी गोरी0।।

होंठ तुम्हारी अजब बनी है ।।दो बोल।।
लालि लगाइके गोरी छाछै गोरी के बदन पर दिल राजै ।।गोरी गोरी0।।

छतिया तुम्हारी अजब बनी है ।।दो बोल।।
अंगियां पहनके गोरी छाछै गोरी के बदन पर दिल राजै ।।गोरी गोरी0।।

बडाबे की होली

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 38

पतली सुन्दर नारि तिलक भर काजल की

चल कहॉ जो बदला उनानु बिन बादल कि
कहॉ जो बरसे मेघ बलम बिन बादल की पतली सुन्दर 0

चल पूरब जो बदला उनानु बिन बादल कि
पश्चिम भयो घनघोर बलम बिन बादल की पतली सुन्दर 0

कैसो जो बदला उनानु बिन बादल कि
कैसो जो बरसे मेघ बलम बिन बादल की पतली सुन्दर 0

कालो जो बदला उनानु बिन बादल कि
कैलो जो बरसे मेघ बलम बिन बादल की पतली सुन्दर 0

कै सुर बदला उनानु बिन बादल कि
कै सुर बरसे मेघ बलम बिन बादल की पतली सुन्दर 0

लुप लुप बदला उनानु बिन बादल कि
रिम झिम बरसे मेघ बलम बिन बादल की पतली सुन्दर 0

कहॉ सुखों यो चूनरी बिन बादल की
कहॉ पिया को पाग बलम बिन बादल की पतली सुन्दर 0

धूप सुखों यो चूनरी बिन बादल की
छांव पिया को पाग बलम बिन बादल की पतली सुन्दर 0

उत जन बरसे मेघूला बिन बादल की
जतहि पिया परदेश बलम बिन बादल की पतली सुन्दर 0

बडाबे की होली

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 39

ठाडिय हेरू बाट मेरो सैंया निरमोहीया कब आवै !!
चल सात समुन्दर पार मेरो संया निरमोहीया कब आवै !!

पिया गयो मूग खरदन को रे पिया गयो मूग खरदन को
देवर गयो ससुराल मेरो संया निरमोहीया कब आवै ठाडिय हेरू बाट मेरो सैंया निरमोहीया कब आवै !!

सात बरष की ब्याही गयुं रे सात बरष की ब्याही गयुॅ।
अफत गयो परदेश मेरो संया निरमोहीया कब आवै ठाडिय हेरू बाट मेरो 0

सोलह बरष की ज्वान भयूॅ रे सोलह बरष की ज्वान भयुॅ।
यौवन भयो भरपुर मेरो संया निरमोहीया कब आवै ठाडिय हेरू बाट मेरो 0

काहिय काट के कागज बनाउ ।। दो बोल।।
काहे बनाउॅ स्याह मेरो संया निरमोहीया कब आवै ठाडिय हेरू बाट मेरो 0

अंचल फाडी के कागज बनाउॅ ।। दो बोल।।
पोछि कजरन की स्याह मेरो संया निरमोहीया कब आवै ठाडिय हेरू बाट मेरो 0

कौन जो पंडित पाती लेखै ।। दो बोल।।
कौन चलावै डाक मेरो संया निरमोहीया कब आवै ठाडिय हेरू बाट मेरो 0

सुवा जो पंडित पाती लेखै ।। दो बोल।।
काक चलावै डाक मेरो संया निरमोहीया कब आवै ठाडिय हेरू बाट मेरो 0

उत जन बरसे मेद्युना रे उत जन बरसे मेद्युना
उतही पिया परदेश मेरो संया निरमोहीया कब आवै ठाडिय हेरू बाट मेरो 0

अब मेरे पिया को आवना रे अब मेरे पिया को आवना ।। खडी बोल।।
डाहिन बोले काक मेरो संया निरमोहीया कब आवै ठाडिय हेरू बाट मेरो 0

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 40

मै बनजरिया छोड पिया वन जा रयोछ !!
अंगना बाग लगाय पिया वन जा रयोछ !!

चल मेरी जो भिजै चुनरि वन जा रयोछ !!
संयया की मलमल पाग पिया वन जा रयोछ मै बनजरिया 0 !!

निम निमौडा पाकि जाला वन जारौछ !!
ख्आजा बट्टवा लोग पिया वन जा रयोछ मै बनजरिया 0 !!

सात बरष की ब्याही गयुं वन जा रयोछ !!
अफत गयो परदेश पिया वन जा रयोछ मै बनजरिया 0 !!

सोलह बरष की ज्वान भयुं वन जा रयोछ !!
यौवन भयो भरपूर पिया वन जा रयोछ मै बनजरिया 0 !!

पिया के आवन को सगुन भयो वन जा रयोछ !!
अंगना बोले काग पिया वन जा रयोछ मै बनजरिया 0 !!

चल उध जन बरसे मेघुना वन जा रयोछ !!
जधहि पिया परदेश पिया वन जा रयोछ मै बनजरिया 0 !!

निम निमौडा पाकि जाला वन जारौछ !!
ख्आजा बट्टवा लोग पिया वन जा रयोछ मै बनजरिया 0 !!

बडाबे की होली

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 41

तुम क्यो ना मिलो रघुनन्दन से तुम क्यो ना मिलो रघुनन्दन से

कहत मन्दोदरी सुन प्रिय रावण
जिस त्रिया को तुम हर लाये
वे है जगत की मात बलम तुम क्यो ना मिलो रघुनन्दन से !! तुम क्यो0!!

कहत मन्दोदरी सुन प्रिय रावण
जिनकी त्रिया तुम लाये
वे है तिरलोकी नाथ बलम तुम क्यो ना मिलो रघुनन्दन से !! तुम क्यो0!!

लंका जैसो कोट है मेरो
समुन्दर जैसी खाई बलम तुम क्यो ना मिलो रघुनन्दन से !! तुम क्यो0!!

हनुमत जैसे नायक उनके
संग लछिमन भाई बलम तुम क्यो ना मिलो रघुनन्दन से !! तुम क्यो0!!

मेघनाथ सो पुत्र है मेरो
कुम्भकरण बल भाई बलम तुम क्यो ना मिलो रघुनन्दन से !! तुम क्यो0!!

जलती अग्नी मे कुद पडेगे
वे दोनो भाई बलम तुम क्यो ना मिलो रघुनन्दन से !! तुम क्यो0!!

चन्द्र सूरज जैसो पुत्र हमारो
इन्द्र दियो हरवाय बलम तुम क्यो ना मिलो रघुनन्दन से !! तुम क्यो0!!

जिस सागर को गर्व है तुमको
वा मे पुल बनवाय बलम तुम क्यो ना मिलो रघुनन्दन से !! तुम क्यो0!!

रात पिया मैने सपने मे देखी
लंका होत उजाड बलम तुम क्यो ना मिलो रघुनन्दन से !! तुम क्यो0!!

त्रिया जात अकल की छोटी
शत्रु की करत बढाय बलम तुम क्यो ना मिलो रघुनन्दन से !! तुम क्यो0!!

भ्राता बिभिषण शरण में उनकी
घर को भेद बताय बलम तुम क्यो ना मिलो रघुनन्दन से !! तुम क्यो0!!

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 42

अब ऋतू आ गै गर्मी की बैसाखे मास अब ऋतू आ गै गर्मी की

बनिज से आये तीन जना तीनों है सवार अब ऋतू आ गै गर्मी की बैसाखे मास अब ऋतू आ गै गर्मी की

आगे के जेठि जी हमारे पीछे देवर लाल बीच में उनके बलमा हमारे मारे चाबुक चार अब ऋतू 0

घोड सवारी जेठि जी आये देवर मोटर कार गधिय सवारी बलमा हमारे मारे चाबुक चार अब ऋतू 0

जेठि को तो फुल्क्या पकाये देवर घ्यु में भात बलमा खीं पुरी पकाई और मेथी को साग अब ऋतू 0

होली न0 43

लागो फागुन मास यो मन मानत नाही
बलमा है नादान यो मन मानत नाही !!

स्युडिन में जब शोभा लागै
मैं डडिया की चाह यो मन मानत नाही !! लागो फागुन 0!!

कपलिन में जब शोभा लागै
मैं बिदिया की चाह यो मन मानत नाही !! लागो फागुन 0!!

अंखियन में जब शोभा लागै
मैं कजरा की चाह यो मन मानत नाही !! लागो फागुन 0!!

गालन में जब शोभा लागै
मैं नथिया की चाह यो मन मानत नाही !! लागो फागुन 0!!

टटोलिन में जब शोभा लागै
मैं हरेवा की चाह यो मन मानत नाही !! लागो फागुन 0!!

छतियन में जब शोभा लागै
मैं अंगिया की चाह यो मन मानत नाही !! लागो फागुन 0!!

पैरन में जब शोभा लागै
मैं पायल की चाह यो मन मानत नाही !! लागो फागुन 0!!

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 44

जिंले गर्व कियो जिंले गर्व कियो सोई हारो लला जिलें गर्व कियो
गर्व करो मत कोई लला जिंले गर्व कियो सोई हारो लला जिंले गर्व कियो !!
गर्व कियो चकवा चकवी ने !! दो बोल!!
ताको रैन बिछोह भयो जिंले गर्व कियो 0

गर्व कियो लंकापति रावण !! दो बोल!!
ताकि लंका बिध्वंस भई जिंले गर्व कियो 0

गर्व कियो सुरसा नारी ने !! दो बोल!!
बालापन में राण भई जिंले गर्व कियो 0

गर्व कियो बाली योद्धा ने !! दो बोल!!
ताके बल का नाश भयो जिंले गर्व कियो 0

गर्व कियो दुर्योधन राजा !! दो बोल!!
ताके कुल को नाश भयो जिंले गर्व कियो 0
गर्व करो मत कोइ लला जिनले गर्व कियो सोइ हारो लला जिंले गर्व कियो !!

होली न0 45

भर गगरी मत लाओ छयल मेरे बालम उतरे बागा में
कहॉ जो बदला उनानु रे कहॉ जो बदला उनानु
कहॉ जो बरसे मेघ छयल मेरे बालम उतरे बागा मे !! भर गगरी !!
पुरब जो बदला उना रे पुरब जो बदला उना रे
पश्चिम जो बरसे मेघ छयल मेरे बालम उतरे बागा मे !! भर गगरी !!

कैसो जो बदला उना रे लुप लुप बदला उना रे !!
कैसो जो बरसे मेघ छयल मेरे बालम उतरे बागा मे !! भर गगरी !!
लुप लुप बदला उना रे लुप लुप बदला उना रे !!
रिमझिम बरसे मेघ छयल मेरे बालम उतरे बागा मे !! भर गगरी !!

कहॉ सुखाउ सिर स्युडि रे कहॉ सुखाउ सिर स्युडि
कहॉ पिया को पांव छयल मेरे बालम उतरे बागा मे !! भर गगरी !!
धुप सुखाउ सिर स्युडि रे धुप सुखाउ सिर स्युडि
छॉव पिया को पांव छयल मेरे बालम उतरे बागा मे !! भर गगरी !!

उत जन बरसे मेघा रे हो उत जन बरसे मेघा
उतहि पिया परदेश छयल मेरे बालम उतरे बागा मे !! भर गगरी !!

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 46

मथुरा मे खेलें एक घडी मथुरा मे खेलें एक घडी

काहे के हाथ में डमरू विराजै
काहे के हाथ मे लाल छडी मथुरा मे खेले 0
राधा के हाथ में डमरू विराजै
कृष्ण के हाथ में लाल छडी मथुरा मे खेले 0

काहे के सिर पर मुकुट विराजै
काहे के सिर पर है पगडी मथुरा मे खेले 0
राधा के सिर पर मुकुट विराजै
कृष्ण के सिर पर है पगडी मथुरा मे खेले 0

काहे के कानन कुण्डल सोहे
काहे के सिर मोतियन लडी मथुरा मे खेले 0
राधा के कानन कुण्डल सोहे
कृष्ण के सिर मोतियन लडी मथुरा मे खेले 0

काहे के हाथ मे मजिरा सोहे
काहे के हाथ मे ताल खडी मथुरा मे खेले 0
राधा के हाथ मे मजिरा सोहे
कृष्ण के हाथ मे ताल खडी मथुरा मे खेले 0

होली न0 47

शिव के मन हो शिव के मन माही बसे काशी शिव के मन हो !!
आधा काशी में बामन बनिया
आधा काशी सन्यासी शिव के मन माही 0

काहे करन को बामन बनिया
काहे करन को सन्यासी शिव के मन माही 0

सेवा करन को बामन बनिया
पूजा करन को सन्यासी शिव के मन माही 0

काहे को पूजे बामन बनिया
काहे को पूजे सन्यासी शिव के मन माही 0

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

देवी को पूजे बामन बनिया
शिव को पूजे सन्यासी शिव के मन माही 0

क्या इच्छा पूजे बामन बनिया
क्या इच्छा पूजे सन्यासी शिव के मन माही 0

नव सिद्धि पूजे बामन बनिया
अष्ट सिद्धि पूजे सन्यासी शिव के मन माही 0

होली न0 48

नदि यमुना के तीर कदम्ब चढि कान्हा बजैंत गयो बॉसुरिया
काहे की तेरी बॉसुरी सुन कान्हैया !!
काहे को तेरा बीन कदम्ब चढि कान्हा बजैंत गयो बॉसुरिया नदि यमुना के तिर कदम्ब चढि कान्हा बजैंत गयो बॉसुरिया

हरिया बॉस की बॉसुरी सुन कान्हैया !!
सोने को मेरो बीन कदम्ब 0

कै सुर की तेरी बॉसुरी सुन कान्हैया !!
कै सुर को तेरो बीन कदम्ब 0
छै सुर की मेरी बॉसुरी सुन कान्हैया !!
नौ सुर को मेरो बीन कदम्ब 0

कौन गडै तेरी बॉसुरी सुन कान्हैया !!
कौन गडै तेरो बीन कदम्ब 0
ओड गडै मेरी बॉसुरी सुन कान्हैया !!
ल्वार गडै मेरो बीन कदम्ब 0

कै मोल की तेरी बॉसुरी सुन कान्हैया !!
कै मोल को तेरो बीन कदम्ब 0
सौ मोल की तेरी बॉसुरी सुन कान्हैया !!
अनमोल को मेरी बीन कदम्ब 0

कौन बजावै बॉसुरी सुन कान्हैया !!
कौन बजावै बीन कदम्ब 0
कृष्ण बजाबै बॉसुरी सुन कान्हैया !!
राधा बजावै बीन कदम्ब 0

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 49

अछै हॉ रे राधे यमुना अकेली मत जइयो
वहॉ रहे चित चोर राधे यमुना अकेली मत जइयो

अछै हॉ रे राधे वंसीवट से आन मिलो है
सुन्दर श्याम स्वरूप राधे यमुना अकेली मत जइयो !! वहॉ रहे o!!

पान खाय मुख मुरूली बजावै !
अंचल प्रेम लगाय राधे यमुना अकेली मत जइयो !! वहॉ रहे o!!

अगुली पकड कर बइया मरोडे !!
खीचत लम्बी चीर राधे यमुना अकेली मत जइयो !! वहॉ रहे o!!

अंचल लुट कदम्ब चढी बैठे !!
गोपी चीर चुराय राधे यमुना अकेली मत जइयो !! वहॉ रहे o!!

होली न0 50

सलुवा में झलक रहे दो नैना
सलुवा में झलक रहे दो नैना

काहिले पाल्यो हरे परेवा
काहिले पाल्यो यो मैना !! सलुवा में o!!
राजा ले पाल्यो हरे परेवा
रानी ले पाल्यो यो मैना !! सलुवा में o!!

कहॉ बसत है हरे परेवा
कहॉ बसत है यो मैना !! सलुवा में o!!
जंगल बसत है हरे परेवा
महल बसत है यो मैना !! सलुवा में o!!

कहॉ चुंगत है हरे परेवा
कहॉ चुंगत है यो मैना !! सलुवा में o!!
जंगल चुंगत है हरे परेवा
शहर चुंगत है यो मैना !! सलुवा में o!!

बडाबे की होली

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 51

अछै हॉ रे गोरी नैना तुम्हारे रसा भरे रंग रसा भरे
चल कहो तो यें रम जाय गोरी नैना तुम्हारे रसा भरे

अछै हॉ रे गोरी तुम स्युणि बन जाओगी

हम लडिया बन जाय गोरी बैठ तुम्हारे स्युडिन में उथि लपकि झपकि रस खाय गोरी नैना तुम्हारे रसा भरे रंग रसा भरे !!

अछै हॉ रे गोरी तुम कपलि बन जाओगी

हम बिदिया बन जाय गोरी बैठ तुम्हारे कपलिन में उथि लपकि झपकि रस खाय गोरी नैना तुम्हारे रसा भरे रंग रसा भरे !!

अछै हॉ रे गोरी तुम अखियॉ बन जाओगी
हम कजरा बन जाय गोरी बैठ तुम्हारे अंखियन में उथि लपकि झपकि रस खाय गोरी नैना तुम्हारे रसा भरे रंग रसा भरे !!

अछै हॉ रे गोरी तुम गाला बन जाओगी

हम नथिया बन जाय गोरी बैठ तुम्हारे गालन में उथि लपकि झपकि रस खाय गोरी नैना तुम्हारे रसा भरे रंग रसा भरे !!

अछै हॉ रे गोरी तुम होंट बन जाओगी

हम लालि बन जाय गोरी बैठ तुम्हारे हौठन में उथि लपकि झपकि रस खाय गोरी नैना तुम्हारे रसा भरे रंग रसा भरे !!

बडाबे की होली

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 52

अछै हॉ रे सीता वन मे अकेली कैसे रही !!
कैसे रही दिन रात सीता वन मे अकेली कैसे रही !!

अछै हॉ रे सीता रंग महल को छोड चली
वन मे कुटिया रमाय सीता वन मे अकेली कैसे रही

अछै हॉ रे सीता षटरस भोजन छोड चली
वन मे वनफल खाय सीता वन मे अकेली कैसे रही

अछै हॉ रे सीता खाट पलंग सब छोड चली
वन मे पतिया बिछाय सीता वन मे अकेली कैसे रही

अछै हॉ रे सीता तेल फुलेल को छोड चली
वन मे धूल रमाय सीता वन मे अकेली कैसे रही

होली न0 53

करले अपनो ब्याह देवर हमोरो भरोसो जन करिये

झन करिये एतबार देबर हमोरो भरोसो जन करिये
ओ करले अपनो ब्याह देवर हमोरो भरोसो जन करिये

अछै हॉ रे देवर हम जो बुलाये मंगल को
तुम आये बुधवार देवर हमोरो भरोसो जन करिये !! करले अपनो !!

अछै हॉ रे देवर हम जो बुलाये अकेले में
तुम लाये संग चार देवर हमोरो भरोसो जन करिये !! करले अपनो !!

अछै हॉ रे देवर हम जो बुलाये बागा मे
तुम आये घर बार देवर हमोरो भरोसो जन करिये !! करले अपनो !!

अछै हॉ रे देवर हम जो बुलाये संध्या को
तुम आये आधि रात देवर हमोरो भरोसो जन करिये !! करले अपनो !!

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 54

उमड धुमड ठप बाजै चलो सखि देखन जाय !!

कौन काठ को ठपुवा कौन मिरग की छाल !!
सिमल काठ को ठपुवा हिरण मिरग की छाल !!

कौन छयल ठप मोडे कौन मिरग की छाल !!
राम छयल ठप मोडे हिरण मिरग की छाल !!

ले हो सासु लडका हम ठप देखन जाय !!
लडका छोड पलंग पर तुम ठप देखन जाय !!

ठपुवा देखन गैथी लडका कहॉ छोडी आय !!
ले हो सासु लडका हम ठप देखन जाय !!

ठपुवा देखन गैथी देर कहॉ लग जाय !!
आयो मैत को भय्या पुछे है कुषलाय !!

अदल कुषल सब अच्छी अंगिया कहॉ धडकाय !!
लागा बैरी कॉटा अंगिया वहीं धडकाय !!

आयो मैत को दर्जी अंगिया ले सिडवाय !!
खरक दुहावन हम चली बछिया मारे लात !!
किसी छयल से मिल रही नौ बछडा को लेय !!

होली न0 55

जल कैसे भरू यमुना गहरी !!
जल कैसे भरू यमुना गहरी !!
ठाडे भरू राजा राम जी देखे !!
न्युडी भरू भीजै चुनरी जल कैसे भरू यमुना गहरी !!

धीरे चलु घर सास बुरी है
धमकि चलु छलकै गगरी जल कैसे भरू यमुना गहरी !!

गोदी में बालक सिर पर गागर
परवत से उतरे गोरी जल कैसे भरू यमुना गहरी !!

बडाबे की होली

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 56

अछै हां रे बालम मस्त महिना फागुन को

घर घर खेलें फाग बालम मस्त महिना फागुन को
खेलत होली धुमार बालम मस्त महिना फागुन को

अछै हां रे बालम वन वन फूले टसुवा
लागत जी को सुहाय बालम मस्त महिना फागुन को

अछै हां रे बालम कोयल बोले वन वन में
मीठे शब्द सूनाय बालम मस्त महिना फागुन को

अछै हां रे बालम मोर जो बोले वन वन में
नाचत मन में लजाय बालम मस्त महिना फागुन को

अछै हां रे बालम डडिया ऐसो ल्या दिजो
जो मेरी स्यूडी सुहाय बालम मस्त महिना फागुन को

अछै हां रे बालम बिदिया ऐसो ल्या दिजो
जो मेरी कपली सुहाय बालम मस्त महिना फागुन को

अछै हां रे बालम कजरा ऐसो ल्या दिजो
जो मेरी अंखिया सुहाय बालम मस्त महिना फागुन को

अछै हां रे बालम अंगिया ऐसो ल्या दिजो
जो मेरी छतिया सुहाय बालम मस्त महिना फागुन को

होली न0 57

बिरहन तेरी मुरली घनघोरा बिरहन तेरी मुरली घनघोरा

घनघोरा घनघोरा घनघोरा बिरहन तेरी मुरली घनघोरा
काहिले पाल्यो हरे परेवा
काहिले पाल्यो यो मोरा !! बिरहन 0!!
राजा ले पाल्यो हरे परेवा
रानी ले पाल्यो यो मोरा !! बिरहन 0!!

कहॉ बसत है हरे परेवा
कहॉ बसत है यो मोरा !! बिरहन 0!!

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

जंगल बसत है हरे परेवा
महल बसत है यो मोरा !! बिरहन 0!!

कहॉ चुंगत है हरे परेवा
कहॉ चुंगत है यो मोरा !! बिरहन 0!!
जंगल चुंगत है हरे परेवा
शहर चुंगत है यो मोरा !! बिरहन 0!!

होली न0 58

बृज मंडल हो बृज मंडल देश दिखाओ रसिया बृज मंडल हो

तेरे बिरज में गाय बहुत है
पी पी दुध बनै बछिया बृज मंडल हो !! बृज मंडल 0!!

तेरे बिरज में धान बहुत है
फटकै नारी कुटे रसिया बृज मंडल हो !! बृज मंडल 0!!

तेरे बृज में गीत बहुत है
गावै नारि सुनै रसिया बृज मंडल हो !! बृज मंडल 0!!

तेरे बृज में मोर बहुत है
कुंकत मोर फटै छतिया बृज मंडल हो !! बृज मंडल 0!!

होली न0 59

ठाकुर थंयया थंयया हो ठाकुर थंयया थंयया होत बिन्दरावन मे ठाकुर थंयया थंयया हो

तेरे बिरज मे नारी बहुत है
छोटी मोटी नार सुगड रसिया ठाकुर थंयया 0

तेरे बिरज मे गाय बहुत है
छोटी मोटी गाय लहुरै बछिया ठाकुर थंयया 0

तेरे बिरज में दूध बहुत है
पिवै दूध बनै पठिया ठाकुर थंयया 0

बडाबे की होली

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

तेरे बिरज में धान बहुत है
फटकै नारी कुटे रसिया ठाकुर थंयया 0

तेरे बृज में गीत बहुत है
गावैं नारि सुनै रसिया ठाकुर थंयया 0

तेरे बृज में मोर बहुत है
कुंकत मोर फटै छतिया ठाकुर थंयया 0

होली न0 60

तोरे चटक चाल चंचल नैना तोरे चटक चाल चंचल नैना
काहिले पाल्यो हरे परेवा
काहिले पाल्यो यो मैना !! तोरे चटक 0!!
राजा ले पाल्यो हरे परेवा
रानी ले पाल्यो यो मैना !! तोरे चटक 0!!

कहॉ बसत है हरे परेवा
कहॉ बसत है यो मैना !! तोरे चटक 0!!
जंगल बसत है हरे परेवा
महल बसत है यो मैना !! तोरे चटक 0!!

कहॉ चुंगत है हरे परेवा
कहॉ चुंगत है यो मैना !! तोरे चटक 0!!
जंगल चुंगत है हरे परेवा
शहर चुंगत है यो मैना !! तोरे चटक 0!!

होली न0 61

तेरो पचरंग फुलयो हो गुलाब कलियॉ बेलागी
ओ हो रे कलियॉ बेलागी
आ हा रे कलियॉ बेलागी
ताथइया कलियॉ बेलागी

काहिले पाल्यो हरे परेवा
काहिले पाल्यो बनगुरियालो बनबेलागी !! तेरो पचरंग 0!!
राजा ले पाल्यो हरे परेवा
रानी ले पाल्यो बनगुरियालो बनबेलागी !! तेरो पचरंग 0!!

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

कहॉ बसत है हरे परेवा
कहॉ बसत है बनगुरियालो बनबेलागी !! तेरो पचरंग 0!!
जंगल बसत है हरे परेवा
महल बसत है बनगुरियालो बनबेलागी !! तेरो पचरंग 0!!

कहॉ चुंगत है हरे परेवा
कहॉ चुंगत है बनगुरियालो बनबेलागी !! तेरो पचरंग 0!!
जंगल चुंगत है हरे परेवा
शहर चुंगत है बनगुरियालो बनबेलागी !! तेरो पचरंग 0!!

होली न0 62

रंग महल के द्वार झुलना झुले को
झुलै अलबेली नार झुलना झुलै को

काहे को तेरो झुलनो बन्यो है
काहे लागी डोर झुलना झुलै का !! रंग महल 0!!

सोने को मेरो झुलनो बन्यो है
रेसम लागी डोर झुलना झुलै का !! रंग महल 0!!

कै मोल को तेरा झूलनो बन्यो है
कै मोल लागी डोर झुलना झुलै का !! रंग महल 0!!

लाखन को मेरो झुलनो बन्यो हे
अनमोल लागी डोर झुलना झुलै का !! रंग महल 0!!

होली न0 63

भाई ज्वान्यु आई हो भाई ज्वान्यू आई ज्वान जमत नाहीं भाई ज्वान्यु आई हो !!
जब ज्वान्यु स्युडिन पर पहुॅचे !!दो बोल 0!!
डडिया ठिक रहत नाही भाई ज्वान्यु आइ हो भाई ज्वान्यु 0

जब ज्वान्यु कपलिन पर पहुॅचे !!दो बोल 0!!
बिदिया ठिक रहत नाही भाई ज्वान्यु आई हो भाई ज्वान्यु 0

बडाबे की होली

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

जब ज्वान्यु गालन पर पहुॅचे !!दो बोल 0!!
नथिया ठिक रहत नाही भाई ज्वान्यु आई हो भाई ज्वान्यु 0

जब ज्वान्यु अखियन पर पहुॅचे !!दो बोल 0!!
कजरा ठिक रहत नाही भाई ज्वान्यु आई हो भाई ज्वान्यु 0

जब ज्वान्यु होठन पर पहुॅचे !!दो बोल 0!!
लालि ठिक रहत नाही भाई ज्वान्यु आई हो भाई ज्वान्यु 0

जब ज्वान्यु टटोलिन पर पहुॅचे !!दो बोल 0!!
हरेवा ठिक रहत नाही भाई ज्वान्यु आई हो भाई ज्वान्यु 0
जब ज्वान्यु छतियन पर पहुॅचे !!दो बोल 0!!
अगिया ठिक रहत नाही भाई ज्वान्यु आई हो भाई ज्वान्यु 0

बडाबे की होली

होली न0 64

कान्सो देवर नादान प्रेम की बात ना समझे !!

हमने देवर को स्युणि दिखाई !!दो बोल 0 !!
पुछे डडिया दाम प्रेम की बात ना समझे कान्सो देवन नादान 0

हमने देवर को कपलि दिखाई !!दो बोल 0 !!
पुछे बिदिया दाम प्रेम की बात ना समझे कान्सो देवन नादान 0

हमने देवर को ऑख दिखाये !!दो बोल 0 !!
पुछे कजरा दाम प्रेम की बात ना समझे कान्सो देवन नादान 0

हमने देवर को गाल दिखाये !!दो बोल 0 !!
पुछे नथिया दाम प्रेम की बात ना समझे कान्सो देवन नादान 0

हमने देवर को होठ दिखाये !!दो बोल 0 !!
पुछे लालि दाम प्रेम की बात ना समझे कान्सो देवन नादान 0

हमने देवर को टटोलि दिखायी !!दो बोल 0 !!
पुछे हरेवा दाम प्रेम की बात ना समझे कान्सो देवन नादान 0

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

हमने देवर को छतिया दिखायी !!दो बोल 0 !!
पुछे अगियॉ दाम प्रेम की बात ना समझे कान्सो देवन नादान 0

हमने देवर को देह दिखायी !!दो बोल 0 !!
पुछे लॅहगा दाम प्रेम की बात ना समझे कान्सो देवन नादान 0

हमने देवर को पैर दिखाये !!दो बोल 0 !!
पुछे पायल दाम प्रेम की बात ना समझे कान्सो देवन नादान 0

होली न0 65

तेरो ललना बंज गयो है क्या क्या सौदा मंगायो है !!
एक पत्या दो पत्या तीन पत्या साडी चौपत्या डडिया मंगायो है

तेरो ललना बंज गयो है क्या क्या सौदा मंगायो है !!
एक पत्या दो पत्या तीन पत्या साडी चौपत्या बिदिया मंगायो है

तेरो ललना बंज गयो है क्या क्या सौदा मंगायो है !!
एक पत्या दो पत्या तीन पत्या साडी चौपत्या कजरा मंगायो है

तेरो ललना बंज गयो है क्या क्या सौदा मंगायो है !!
एक पत्या दो पत्या तीन पत्या साडी चौपत्या नथिया मंगायो है

तेरो ललना बंज गयो है क्या क्या सौदा मंगायो है !!
एक पत्या दो पत्या तीन पत्या साडी चौपत्या हरेवा मंगायो है

तेरो ललना बंज गयो है क्या क्या सौदा मंगायो है !!
एक पत्या दो पत्या तीन पत्या साडी चौपत्या अगिया मंगायो है

बडाबे की होली

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 66

एक गोरी एक सॉवरो है
चल दो मिली चली है बजार कन्हैया होली जो खेले सॉवरो !!

एक गोरी एक सॉवरो है
गोरी मुलावै डडिया हो डडिया !!
सॉवरिया सिरवान कन्हैया होली जो खेले सॉवरो !!

एक गोरी एक सॉवरो है
चल दो मिली चली है बजार कन्हैया होली जो खेले सॉवरो !!
गोरी मुलावै बिदिया हो बिदिया !!
सॉवरिया मुख पान कन्हैया होली जो खेले सॉवरो !!

एक गोरी एक सॉवरो है
चल दो मिली चली है बजार कन्हैया होली जो खेले सॉवरो !!
गोरी मुलावै नथिया हो नथिया !!
सॉवरिया मुख पान कन्हैया होली जो खेले सॉवरो !!

एक गोरी एक सॉवरो है
चल दो मिली चली है बजार कन्हैया होली जो खेले सॉवरो !!
गोरी मुलावै कजरा हो कजरा!!
सॉवरिया मुख बन्सी कन्हैया होली जो खेले सॉवरो !!

एक गोरी एक सॉवरो है
चल दो मिली चली है बजार कन्हैया होली जो खेले सॉवरो !!
गोरी हरेवा हो हरेवा !!
सॉवरिया मुख पान कन्हैया होली जो खेले सॉवरो !!

होली न0 67

कहॉ जनम भयो राधा कहॉ जनम घनश्याम !!
ब्रजभानु घर राधा नन्दमहल घनश्याम !!
कौन वरण की है राधा कौन वरण घनश्याम !!
गौर वरण की है राधा श्याम वरण घनश्याम !!
कितने बरष की है राधा कितने बरष घनश्याम !!
बारह बरष की है राधा सोलह बरष घनश्याम !!
क्या क्या पहने है राधा क्या पहने घनश्याम !!
रेशम पहने है राधा पिताम्बर घनश्याम !!

बडाबे की होली संग्रहकर्ता बिपिन चन्द्र जोशी फोन 9899315859

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 68

सीता राम को ब्याह जनकपुर जाना है !!
वहॉ हो रही जै जै कार जनकपुर जाना है !!

कै लाख हाथी कै लाख घोडे !!
कै लाख राम बरात जनकपुर जाना है सीता राम को ब्याह जनकपुर जाना है !!

छै लाख हाथी नौ लाख घोडे !!
सौ लाख राम बरात जनकपुर जाना है भाइ आज जनकपुर जाना है !!

धन्य धन्य सीता भाग्य तुम्हारो
गीन गीन राम बरात जनकपुर जाना है भाइ आज जनकपुर जाना है !!
धन्य धन्य सीता भाग्य तुम्हारो !!

होली न0 69

रंग चंगीलो देवर घर आरौछ !!

सासु खिन लडडू ननद खिन पेडा
मै खिन बर्फी ल्यारौछ रंग चंगीलो देवर 0

सासु खिन नथिया ननद खिन कुण्डल
मै खिन बिन्दी ल्यारौछ रंग चंगीलो देवर 0

सासु खिन बिन्दी ननद खिन पौडर
मै खिन लाली ल्यारौछ रंग चंगीलो देवर 0

छम छम छम छम घुंगरू ल्यारौछ
नानु नानु देवर आरौछ रंग चंगीलो देवर 0

सासु खिन धोती ननद खिन झप्पर
मै खिन साडी ल्यारौछ रंग चंगीलो देवर 0

बडाबे की होली

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 70

मत बोलो सजन मै बिखर जाउगी मत बोलो सजन मै बिखर जाउगी
मेरे अगवाडे बाग बहुत है !!दो बोल 0!!
कोयल बनकर उड जाउगी मत बोलो सजन 0

मेरे अगवाडे महल बहुत है !!दो बोल 0!!
रानी बनकर रह जाउगी मत बोलो सजन 0

मेरे अगवाडे गंगा बहत है !!दो बोल 0!!
मछली होकर निकल जाउगी मत बोलो सजन 0

मेरे अगवाडे कुऑ बहुत है !!दो बोल 0!!
मेढक होकर रह जाउगी मत बोलो सजन 0

मेरे अगवाडे साधु बहुत है !!दो बोल 0!!
जोगिन बनकर रह जाउगी मत बोलो सजन 0

मेरे अगवाडे फुल बहुत है !!दो बोल 0!!
भौरा बनकर रह जाउगी मत बोलो सजन 0

मेरे अगवाडे झाडी बहुत है !!दो बोल 0!!
कांटा बनकर चुभ जाउगी मत बोलो सजन 0

होली न0 71

गढ छोड दे लंका रावण छोड दे लंका रावण !!
जिस लंका को गर्व करत है
पल में आग लगावन छोड दे लंका रावण !! गढ छोड 0!!

जिस बेटे को गर्व करत है
पल मे मार गिरावन छोड दे लंका रावण !! गढ छोड 0!!

जिस भाई को गर्व करत है
पल मे मार गिरावन छोड दे लंका रावण !! गढ छोड 0!!

बडाबे की होली

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 72

हरी धरे मुकुट खेले होली हरी धरे मुकुट खेले होली

कौन समय सीता खेले होली
कौन समय राधा गोरी हरी धरे मुकुट खेले होली हरी धरे मुकुट खेले होली

सतयुग मे सीता खेले होली
द्वापर मे राधा गोरी हरी धरे मुकुट खेले होली हरी धरे मुकुट खेले होली

कौन पहर सीता खेले होली
कौन पहर राधा गोरी हरी धरे मुकुट खेले होली हरी धरे मुकुट खेले होली

चीर पहर सीता खेले होली
बाटम्बर राधा गोरी हरी धरे मुकुट खेले होली हरी धरे मुकुट खेले होली

कितने बरश के कुँवर कन्हैया
कितने बरश की राधा गोरी हरी धरे मुकुट खेले होली हरी धरे मुकुट खेले होली

बारह बरष के कुँवर कन्हैया
सात बरष की राधा गोरी हरी धरे मुकुट खेले होली हरी धरे मुकुट खेले होली

काहिन के दो खम्भा बने है
काहिन लागी रही डोरी हरी धरे मुकुट खेले होली हरी धरे मुकुट खेले होली

लकड चंदन की खम्भा बने है
रेसम लागी रही डोरी हरी धरे मुकुट खेले होली हरी धरे मुकुट खेले होली

लचक गये खम्भा झुक गयी डोरी
रपट पडी राधा गोरी हरी धरे मुकुट खेले होली हरी धरे मुकुट खेले होली

बडाबे की होली

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 73

राम भजू हरी भजू राधे बला सुमिरो सिया राम राम भजू हरी भजू राधे श्याम !!
एक ही पेड मथुरा मे उपजो जड जाये जगनाथ फुल जो फुले द्वारिका फल लागे बदरीनाथ !!

कौन दिशा गढ लंका है रे कौन दिशा कैलाश कौन दिशा अयोध्या अयोध्या मे जनमे रामजा मे ठाडे राम राम भजू हरी भू राधे !!

दक्षिण दिशा गढ लंका है रे उत्तर मे कैलाश मध्य दिशा अयोध्या अयोध्या मे जनमे रामजा मे ठाडे राम राम भजू हरी भजू राधे

काहे कि गढ लंका है रे काहे को कैलाश काहे कि अयोध्या अयोध्या मे जनमे रामजा मे ठाडे राम राम भजू हरी भजू राधे

सोने कि गढ लंका है रे पाथर को कैलाश सानन कि अयोध्या अयोध्या मे जनमे रामजा मे ठाडे राम राम भजू हरी भजू राधे

कौन बसे गढ लंका है रे कौन बसे कैलाश कौन बसे अयोध्या अयोध्या मे जनमे रामजा मे ठाडे राम राम भजू हरी भजू राधे

रावण बसे गढ लंका है रे शिवजी बसे कैलाश राम बसे अयोध्या अयोध्या मे जनमे रामजा मे ठाडे राम राम भजू हरी भजू राधे

बडाबे की होली

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 74

अछै हॉ रे गिरीधर राज लियो कंषासुर को
मथुरा उड गयी धूल गिरीधर

अछै हॉ रे गिरीधर कंष पछाडे अंकुर को
ब्रन्दावन को जाय गिरीधर राज लियो कंषासुर को !!

अछै हॉ रे गिरीधर गमन कियो है कान्हैया
कंष की राय धराय गिरीधर राज लियो कंषासुर को !!

अछै हॉ रे गिरीधर फौज चली मथुरा नगरी
धोबियन छाट लुटाय गिरीधर राज लियो कंषासुर को !!

अछै हॉ रे गिरीधर डगर चली एक पनिहारी
हो गये रूप निहाल गिरीधर राज लियो कंषासुर को !!

अछै हॉ रे गिरीधर धनुष तोड तब खण्ड कियो
असुर ही मारे बाण गिरीधर राज लियो कंषासुर को !!

अछै हॉ रे गिरीधर नौ मन मदिरा पान किये
आय खडो गजराज गिरीधर राज लियो कंषासुर को !!

अछै हॉ रे गिरीधर कोप कियो है कान्हैया
लिन्हे दन्त उखाड गिरीधर राज लियो कंषासुर को !!

अछै हॉ रे गिरीधर चादर मुख्या बलषाली
उनसे युद्ध मचाय गिरीधर राज लियो कंषासुर को !!

अछै हॉ रे गिरीधर केष पकड कंष हि मारे
मधुपुर मंगल छाय गिरीधर राज लियो कंषासुर को !!

बडाबे की होली

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 75

अछै हॉ जी शंकर पीके हलाहल मगन भये
मगन भये भगवान शंकर पिके हलाहल मगन भये

अछै हॉ जी शंकर देवासुर को षक्ति लगी
पहुचे सागर पार शंकर 0

अछै हॉ जी शंकर मन्द्राचल की मथनी बनी
डोरी बासु की नाग शंकर 0

अछै हॉ जी शंकर क्षीर समुन्दउ मंथन कियो
निकले चौदह लाल शंकर 0

अछै हॉ जी शंकर उन लालन मे विष निकले
देखी डरो संसार शंकर 0

अछै हॉ जी शंकर वह विष तुमने पान कियो
त्रिभुवन तब न नसाय शंकर 0

होली न0 76

उठ मिलो भरत रघुपति आये
चल मलो भरत रघुपति आये

कहॉ कहॉ भइ विपद पडी है
कौन पुरी मे सुख पायो उठ मिलो 0
लंकागढ मे विपद पडी है
अवधपुरी मे सुख पायो उठ मिलो 0

तिषरा मारी सुवाहू मारे
खर दूषण को मिटा आये उठ मिलो 0
कुम्भकरण मेघनाथ हि मारे
रावण स्वर्ग पठा आये उठ मिलो 0

अहिरावण की भुजा उखाडे
राज विभिषण को दे आये उठ मिलो 0
राम लखन हनुमन्त ही आये
सीता संग में ले आये उठ मिलो 0

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 77

हमें उतारो पार मल्हा हमसे उतराई ले लिजो
कौन राजा के पुत्र हो कहिये
कहॉ तुम्हारो गॉव मल्हा हमसे उतराई ले लिजो हमें उतारो 0

कौषलपति दशरथ के हम है
अवध हमारो गॉव मल्हा हमसे उतराई ले लिजो हमें उतारो 0

काहे कारण पार जावत हो
हमको दो समझाय मल्हा हमसे उतराई ले लिजो हमें उतारो 0

मझली मॉ केकई के हट से
पिता दियो बनवास मल्हा हमसे उतराई ले लिजो हमें उतारो 0

धोय चरण चरणोदक लेहूॅ
तबहि उतारू पार मल्हा हमसे उतराई ले लिजो हमें उतारो 0

नयया मेरी नारी बनकर
उडिन जाय आकाश मल्हा हमसे उतराई ले लिजो हमें उतारो 0

होली न0 78

सखी सब घर आये बलमा है कहॉ
सखि मेरे जीवन प्राण कहॉ

कौरव पाण्डव रार पडी है
कोउ ना सहारे न्याय वहॉ सखी सब 0

अर्जुन कृष्ण नही है घर मे
व्युह रचायो द्रोण वहॉ सखी सब 0

भीमादिक सब विवस भये है
लडन चले अभिमन्यु वहॉ सखी सब 0

इत उन्तरा अभिमन्यु की नारी
पुछत मेरे नाथ कहॉ सखी सब 0

लाखों कौरव वीर बिहारे
अकेले तेरे नाथ वहॉ सखी सब 0

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

घिर घिर साथ रथि मिल आये
छीने छलकर अस्त्र वहॉ सखी सब 0

मामा कृष्ण पिता अरजुन है
वे है मरकर अमर वहॉ सखी सब 0

हाय कहॉ अन्तरा के स्वामी
जाउ जलकर नाथ वहॉ सखी सब 0

आदरवती नारी को आली
प्राण गॅवाना धर्म वहॉ सखी सब 0

जाकर पति को वंष चलाओ
दवारीकानाथ सहाय वहॉ सखी सब 0

होली न0 79

मत पकडो हो मत पकडो चीर असूर मेरो मत पकडो हो

कौन पुरूष की नारी कहाये !! दो बोल !!
कौन बलिय देवर तेरो मत पकडो हो मत पकडो चीर 0

राजा जोष्ठिल की नारी कहावै !! दो बोल !!
भीम बलिय देवर मेरो मत पकडो हो मत पकडो चीर 0

बीच सभा में नंगत करत है !! दो बोल !!
खिंचत चीर दुशासन हो मत पकडो हो मत पकडो चीर 0

थर हर थर हर द्रोपदी कांपै !! दो बोल !!
लाज रखो मेरे गिरधारी हो मत पकडो हो मत पकडो चीर 0

खींचत चीर दुशासन हारे !! दो बोल !!
सौ सर चीर लिपट आये मत पकडो हो मत पकडो चीर 0

बडाबे की होली

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 80

एक मोती दो हार हीरा चमकी रयो !!
चमकी रयो आधी रात हीरा चमकी रयो

भर भादो की रातिया में रे भर भादो की रातिया में !!
कृष्ण लियो अवतार हीरा चमकी रयो एक मोती दो हार o !!

बारी चौकी कंश राजा की
सोई रये चौकिदार हीरा चमकी रयो एक मोती दो हार o !!

होली न0 81

झुकि आयो शहर से ब्यौपारी झुकि आयो शहर से ब्यौपारी

इस ब्यौपारी को भूख बहूत है !!
पुरियां पकाय दे नथवाली झुकि आयो शहर से ब्यौपारी

इस ब्यौपारी को प्यास बहूत है !!
पनिया पिलाय दे नथवाली झुकि आयो शहर से ब्यौपारी

इस ब्यौपारी को नींद बहूत है !!
पलंग बिछाय दे नथवाली झुकि आयो शहर से ब्यौपारी

होली न0 82

अछे हां रें चुनि रंग लागै को !!
ता थय्या चुनि रंग लागै को
ओ हो हो चुनि रंग लागै को

काहिय को तेरो पालंग हो पालंग !!
काहिय को सिरवान चुनि रंग लागै को !!

हरिया चददर को पालंग को पालंग !!
रेशम को सिरवान चुनि रंग लागै को !!

बडाबे की होली

ॐ श्री लटेश्वराय सदा सहाय नम :

होली न0 83

मत जाओ पिया होली आय रही !!
जिनके पिया नित घर ही बसत है
उनकी नारी रंग भरै मत जाओ पिया 0

जिनके पिया परदेश बसत है
उनकी नारी सोच भरी मत जाओ पिया 0

चातक मोर पपीहा बोले
कोयल बोल सुनाय रही मत जाओ पिया 0

उडत गुलाल लाल भए बादल
ऐसी नई ऋतु आय रही मत जाओ पिया 0

पंय्या पडत हुं अरज करत हुं
बांह पकड समझाय रही मत जाओ पिया 0

.....

.....

आज के आधुनिक परिवेश में भी बडाबे की होली ने कुमांऊ भर में अपने वास्तविक स्वरूप को बनाये रखा है होली माधुर्य का पर्व है प्रेम रस रंग और उमंग का प्रतीक पर्व है होली का वास्तविक आनन्द केवल कुमांऊ में ही मिल सकता है यदि आप को होली का संग्रहण अच्छा लगा हो तो मुझे जरूर बताये आपका आर्शीवाद चाहुँगा!! बहुत सी होली अधुरी है और लेखन कार्य मे त्रुटी भी हो सकती है उसके लिए माफि चाहुँगा !!

संग्रहकर्ता : बिपिन चन्द्र जोशी
निवासी बडाबे जिला पिथौरागढ उत्तराखण्ड .262530
मोबाइल व Whats App : +91-9899315859
FaceBook : www.facebook.com/bipinchandrajoshipage

बडाबे की होली